महंगाई, पेपर लीक सहित कई मुद्दों पर लीपापोती की कोशिश...; कांग्रेस ने राष्ट्रपति अभिभाषण में लगाया झूठ परोसने का आरोप ,कहा कि नीट घोटाले पर लीपा पोती नहीं चलेगी। पिछले पांच सालों में ऊँ द्वारा कराए गए 66 भर्ती परीक्षाओं में 12 में पेपर लीक-धांधली हुई है

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 55 दिनांकः28-06-2024 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने 12 विपक्षी सांसदों को पिछले साल अगस्त में सदन की कार्यवाही को बाधित करने के लिए कदाचार का दोषी ठहराया है। इन सांसदों में आम आदमी पार्टी के संजय सिंह भी शामिल हैं। समिति ने उन्हें आगाह किया कि वे भविष्य में इस तरह का व्यवहार करने से बचें।

आपातकाल पर इंडिया गठबंधन में फूट कांग्रेस पड़ी अकेली,सपा, टीएमसी और डीएमके बीजेपी के साथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई लोकसभा की कार्यवाही दिलचस्प ढंग से शुरू हुई। बुधवार को नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से इंदिरा गांधी सरकार द्वारा विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए लगाए गए आपातकाल की निंदा का प्रस्ताव पढ़ा गया। तब प्रस्ताव के दौरान इंडिया ब्लॉक में फूट दिखाई दी। इस दौरान सदन में कांग्रेस ने खुद को अलग-थलग पाया। बीजेपी के साथ इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दल समाजवादी पार्टी के अलावा डीएमके और तृणमूल कांग्रेस ने भी निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया। इमरजेंसी की 50वीं बरसी पर विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा ने सदन में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदन में आपातकाल लगाने के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश कर कहा कि ये सदन 1975 में आपातकाल लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। भारतीय इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाकर बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था।

सत्र के उद्घाटन के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आपातकाल की निंदा करने के बाद कांग्रेस को यह प्रस्ताव अप्रत्याशित लगा। इस दौरान कांग्रेस से न केवल सपा और द्रमुक जैसे सहयोगियों से अलग हुई, बल्कि आश्चर्यजनक रूप से तृणमूल कांग्रेस भी अलग हुई। जब बिरला ने प्रस्ताव पढ़ना शुरू किया, जिसमें विशेष रूप से इंदिरा गांधी और कांग्रेस का नाम अंबेडकर के संविधान, अवैध गिरफ्तारी, प्रेस सेंसरशिप और अन्य ज्यादतियों पर हमले के लिए लिया गया था, तब केवल कांग्रेस सांसदों ने ही गलियारे से विरोध किया।

वहीं, सपा और टीएमसी सहित बाकी विपक्षी सांसद अपनी सीट पर ही बैठे रहे। कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी स्पीकर की ओर से आपातकाल के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और युवा पीढ़ी को याद दिलाने के लिए दो मिनट का मौन रखने का आग्रह किया। आपातकाल लगाने के बाद तब की इंदिरा सरकार ने कई निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया। कांग्रेस के लिए शर्मिंदगी के अलावा यह त्वरित कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे एक बार फिर बीजेपी की ओर से कांग्रेस को संविधान-खतरे में वाले दांव के रूप में जवाब देने की प्रतिबद्धता का संकेत मिलता है।

नीट पेपर लीक का मामला संसद में भी गूंजेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीट पेपर लीक का मामला संसद में भी गूंजने वाला है। शुक्रवार (28 जून) को कांग्रेस की अगुवाई में इंडिया गठबंधन लोकसभा और राज्यसभा में नीट विवाद पर स्थगन प्रस्ताव लाएगी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इंडिया गठबंधन दलों की बैठक में ये फैसला लिया गया है.

शुक्रवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी है. लेकिन विपक्ष का मकसद धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बीच सरकार को नीट पेपर लीक मुद्दे पर घेरने का है. विपक्ष का कहना है कि वह नीट मामले पर विपक्ष के किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है. भले ही यह बहस के दौरान उठे.

सरकारी सूत्रों ने कहा कि नीट मुद्दे पर सीबीआई की जांच से लेकर स्पेशल कमिटी बनाने तक हर संभव कार्रवाई की गई है. कमिटी की रिपोर्ट जल्द आने की उम्मीद है. साथ ही एंटी पेपर लीक कानून लागू होने से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो गई है. इससे एक मजबूत एजुकेशन सिस्टम की नींव भी रखी जा सकेगी.

एनएसयूआई कार्यकर्ता एनटीए के दफ्तर में घुसे

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीट पेपर लीक का विरोध कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ता एनटीए बिल्डिंग के अंदर घुस गए। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एनटीए के मेन गेट पर ताला भी लगा दिया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। लेकिन वो नहीं माने और अंदर घुस गए।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के सदस्यों ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में ओखला स्थित एजेंसी के कार्यालय में घुसकर एनटीए बंद करो के नारे लगाए। अधिकारी ने कहा, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि एनटीए ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था।

ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी के एक इवेंट में सीजेआई ने कहा अबतक पॉलिटिकल प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ जून में लंदन गए थे। जहां ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी ने उनके साथ एक चर्चा रखी। इस दौरान उनसे पूछा गया कि पिछले कुछ सालों में ज्यूडीशियरी पर पॉलिटिकल प्रेशर बढ़ा है, इस पर उन्होंने कहा कि बतौर जज 24 साल के कॅरियर में उन्हें कभी भी किसी सरकार के राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। सीजेआई ने कहा कि परंपराओं के अनुसार भारत में जज सरकार की पॉलिटिकल ब्रांच से अलग-थलग जीवन जीते हैं। साथ ही जज अक्सर अपने फैसलों के संभावित राजनीतिक परिणामों को लेकर सचेत रहते हैं। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक यह क्वेश्चनायर ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी ने किया था। जिसमें उनसे सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने से जुड़ा सवाल भी पूछा गया था।

सीजेआई ने कहा कि यदि आप राजनीतिक दबाव को डिटेल में जानना चाहते हैं, तो इसका अर्थ बहुत व्यापक है। अगर जज को किसी फैसले का भविष्य में होने वाला असर पहले से पता हो, तो जाहिर है उन्हें ऐसे मामलों में फैसला लेते समय उसके असर से परिचित होना चाहिए। मेरा मानना है कि यह राजनीतिक दबाव नहीं है। यह कोर्ट की निर्णय के संभावित असर की समझ है, जिसे जज को अपने विचार में जरूर शामिल करना चाहिए।

अदालतों के पेंडिंग केसेस पर उन्होंने कहा कि इसकी असली वजह जजों की संख्या की कमी है। भारत में जजों की संख्या जनसंख्या के अनुपात में दुनिया में सबसे कम है। हमें बस ज्यादा जजों की जरूरत है। हम सभी स्तरों पर ज्यूडिशियरी की ताकत बढ़ाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। वैकेंसीज को जल्दी भरने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जज अक्सर अपने फैसलों के सामाजिक प्रभाव के बारे में सोचते हैं। हम जो मामले तय करते हैं, उनका समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम फैसलों के सामाजिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूक रहें, जिसे हम आखिरकार प्रभावित करने जा रहे हैं।

सोशल मीडिया आज की सच्चाई

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आज की सच्चाई है। आज हमारी अदालतों में, हर मिनट लाइव-ट्वीट होता है। जज का हर कमेंट सोशल मीडिया पर पब्लिश होता है। यह ऐसी चीज है जिसे हमें रोकने की जरूरत नहीं है और न ही हम इसे रोक सकते हैं। कुछ मौकों पर हम आलोचना का शिकार होते हैं। कभी-कभी ये सही होती है, कभी गलत। लेकिन जजों के रूप में हमारे कंधे इतने चौड़े हैं कि हम हमारे काम की आलोचना को स्वीकार कर सकें। उन्होंने कहा कि आज की अदालतों में जो कुछ भी होता है, उसे केवल फैसले के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। कोर्ट न केवल मुकदमा करने वाले पक्ष बल्कि पूरे समाज के साथ संवाद में शामिल है। इसलिए हमने अहम संवैधानिक मामलों को लाइव-स्ट्रीम करने का फैसला किया। मेरा मानना है कि हमें न्याय की प्रक्रिया को लोगों के घरों और दिलों तक ले जाना चाहिए। लोगों को यह समझना चाहिए कि कोर्ट में आने वाले सबसे छोटे मुद्दे भी गंभीर विचार को बढ़ा सकते हैं।

भारत ने 'अभ्यास' का किया सफल परीक्षण, तेजी से उड़ान भरने में सक्षम; रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ को दी बधाई

बालेश्वर। भारतीय डीआरडीओ ने आज बालेश्वर के चांदीपुर नामक परीक्षण स्थल पर स्थित आइटीआर के परिक्षण स्थल से हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हिट) यानी अभ्यास नामक विमान का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ की टीम ने गुरुवार को चांदीपुर परीक्षण स्थल से हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हिट) यानी अभ्यास विमान का सफल परीक्षण किया है। अभ्यास का उपयोग विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु हवाई लक्ष्य के रूप में होता है। टेस्ट में इस विमान की निगरानी टेलिमेटरी रडार एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम सहित विभिन्न ट्रैकिंग सेंसर की जांच की गई।

अभ्यास का उपयोग विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु हवाई लक्ष्य के रूप में होता है। टेस्ट में इस विमान की निगरानी टेलिमेटरी रडार एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम सहित विभिन्न ट्रैकिंग सेंसर की जांच की गई।

मिसाइल का टारगेट बनने वाला विमान का डीआरडीओ ने आज कुल मिलाकर दसवां सफल परीक्षण किया। इसके पहले यह 9 बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है। यह वह विमान है, जो मिसाइल टेस्टिंग के दौरान उनका टारगेट बनता है यह बहुत तेजी से उड़ान भरता है। इस पर सटीक निशाना आपकी मिसाइल की क्षमता को प्रदर्शित करता है। इस बार का परीक्षण सिंगल बूस्टर की मदद से किया गया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज आइटीआर से इसे हवा में उड़ाया था।

इसका नाम है, हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट 'हिट' यानी की अभ्यास। अभ्यास का उपयोग विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु हवाई लक्ष्य के रूप में होता है, टेस्ट में इस विमान की निगरानी टेलिमेटरी रडार एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम सहित विभिन्न ट्रैकिंग सेंसर की जांच की जाती है। अभ्यास नामक इस टारगेट को डीआरडीओ का एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट बेंगलुरु ने किया है तथा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो इसे बनाया है। रक्षा सूत्रों की माने तो अभ्यास अब बनाए जाने के लिए तैयार हो चुका है, अब इसका उत्पाद जल्दी ही किया जाएगा। इसके परीक्षण को देखते हुए देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूरे डीआरडीओ टीम को बधाई दिया है। वहीं, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉक्टर समीर भी कामत ने पूरे डीआरडीओ टीम को बधाई दिया है।

झारखंड में चुनाव से पहले बड़े 'खेल' की तैयारी

रांची। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में भले ही अभी चार माह शेष है, लेकिन राजनीतिक दांव-पेंच आरंभ हो गया है। इस कड़ी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्य सरकार के पूर्व मंत्री एवं जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट बढ़ गई है। पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात में राजनीतिक स्थितियों पर चर्चा हुई।

किशनगंज में 70 मीटर लंबे ब्रिज ढहा

किशनगंज(ईएमएस)। बिहार में एक और पुल गिरने का मामला सामने आया है। बीते 10 दिनों के अंदर पुल गिरने की यह चौथी घटना है। ताजा मामला किशनगंज जिले से सामने आया है। यहां गुरुवार को कनकई और महानंदा नदी को जोड़ने वाली एक छोटी सहायक नदी पर बना पुल ढह गया। किशनगंज के डीएम तुषार सिंगला ने बताया कि जिले के बहादुरगंज ब्लॉक स्थित 70 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा एक पुल गिर गया है। यह पुल 2011 में मडिया नामक छोटी सहायक नदी पर बनाया गया था। मडिया नदी कनकई को महानंदा नदी से जोड़ती है।

ओम बिरला पर बनी सहमति.......लेकिन डिप्टी स्पीकर खिंचेगी तलवार डिप्टी स्पीकर पर सरकार चुप, कांग्रेस लड़ाई के मूड में

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में बुधवार को ओम बिरला को स्पीकर चुन लिया गया। लेकिन अब अगला लक्ष्य डिप्टी स्पीकर पद है। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष के लिए होड का विषय है। शुरू में दोनों पक्षों के शीर्ष नेताओं ने मामले पर बातचीत की, लेकिन स्थिति तब बिगड़ गई जब मोदी सरकार ने डिप्टी स्पीकर का पद इंडिया गठबंधन को देने के लिए सहमति नहीं जाहिर की। इंडिया गठबंधन को लगता है कि उसके पास पर्याप्त संख्याबल है, इसलिए यह पद विपक्ष को मिलना चाहिए। कांग्रेस सबसे वरिष्ठ सांसद के सुरेश की उम्मीदवारी के लिए फिर से जोर लगाएगी।

कांग्रेस पार्टी इस बात से भी चिंतित है कि 17वीं लोकसभा में यह पद खाली रहा और डिप्टी स्पीकर की मांग बार-बार अनसुनी की गई। इसलिए पार्टी मोदी सरकार को पद के लिए स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का मौका नहीं देना चाहती। इस मुद्दे पर कोई सहमति न बनने के कारण अटकलें हैं कि भाजपा अपने सबसे बड़े सहयोगी टीडीपी से किसी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है। अध्यक्ष अगले कुछ दिनों में इस पद के लिए कोई फैसला ले सकते हैं, लेकिन पहले उन्हें यह तय करना होगा कि वह डिप्टी स्पीकर रखना चाहते हैं या नहीं।

विपक्ष द्वारा मोदी सरकार पर निशाना साधने के बावजूद मामले को दबा रही है। मोदी सरकार के शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि कर कहा कि डिप्टी स्पीकर पद पर कोई चर्चा नहीं हुई है और जब पार्टी और एनडीए सहयोगियों के बीच कोई फैसला हो जाएगा, तभी विपक्ष के सामने रखा जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस मामले को टालने के मूड में नहीं है। संविधान की एक कॉपी से अनुच्छेद 93 पढ़ते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि 'लोकसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी' और जब भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होता है, तब सदन किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में चुन लेगा।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि इसलिए हम निश्चित रूप से उपसभापति पद के लिए दावा करने वाले है। चाहे वह भाजपा का उम्मीदवार हो या उसके सहयोगी दलों का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अनुच्छेद 93 इस बारे में बहुत स्पष्ट है कि लोकसभा में एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष होना आवश्यक है, हालांकि पिछली बार सरकार ने नियम का उल्लंघन किया जो पूरी तरह से असंवैधानिक है।

गौरतलब है कि अठारहवीं लोक सभा के स्पीकर के चुनाव को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच में तलवारें तन गई। सदन की जब कार्रवाई शुरू हुई तब प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने दोनों पक्षों को अपने स्पीकर के उम्मीदवारों को लेकर प्रस्ताव रखने को कहा। एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला बनाम इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के सुरेश की लड़ाई में ध्वनिमत से बिरला को स्पीकर घोषित कर दिया गया। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर विपक्ष ने ध्वनिमत पर ही इस लड़ाई को क्यों रोक दिया, जबकि वह स्लिप के जरिए वोटिंग कराके डिवीजन की मांग कर सकता था।

कांग्रेस के अनुसार ये एक रणनीति का हिस्सा था। रमेश ने कहा कि 'हमारा कभी भी डिवीजन कराने का फैसला नहीं था। हम कभी भी डिवीजन नहीं कराना चाहते थे। इसलिए डिवीजन की कोई रणनीति नहीं बनाई थी। हम हमेशा सैद्धांतिक रूप से लड़ाई को लड़ना चाहते थे। हमारी मांग थी कि डिप्टी स्पीकर विपक्ष को मिले, लेकिन सरकार के नकारात्मक रवैये के चलते यह मामला इतना तूल पकड़ा।

हालांकि, इंडिया गठबंधन से अलग-अलग सुर सुनाई पड़े। टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने बाहर आते वक़्त ये कहा कि हमने डिवीजन की मांग की, लेकिन सत्तापक्ष ने हमारी नहीं सुनी। दरअसल, भाजपा के पास नंबर नहीं थे, इसलिए वोटिंग डिवीजन से नहीं चाहते थे। संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी और जब भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होगा, सदन किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगा।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई -मनीष प्रकाश और आशुतोष को किया गिरफ्तार

पटना(ईएमएस)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पहली गिरफ्तारी की है। सीबीआई ने कार्रवाई करते हुए पटना से नीट पेपर लीक मामले के आरोपी मनीष प्रकाश और आशुतोष को गिरफ्तार किया है। फिलहाल सीबीआई उन दोनों से पूछताछ कर रही है।

नीट-यूजी में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के सिलसिले में दिल्ली से सीबीआई की एक टीम सोमवार की सुबह पटना में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के कार्यालय पहुंची। बिहार पुलिस के जरिए शुरू हुए नीट परीक्षा के पेपर लीक जांच को बिहार की आर्थिक अपराध इकाई के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो के पास सौंप दिया गया। बिहार की जांच टीम ने सभी सबूत शिक्षा मंत्रालय को सौंप दिए। शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई को इस मामले की जांच करने की जिम्मेदारी दी है।

सीबीआई टीम ईओयू और पुलिस अधिकारियों से भी की बातचीत

बताया जाता है कि सीबीआई की टीम बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के कार्यालय पहुंचकर सारे सबूतों को अपने हाथ में ले लिए। पुलिस और अपराध शाखा दोनों के जांच अधिकारियों ने 5 मई से 10 मई तक देखा था, उनसे सभी से सीबीआई के जांच अधिकारी ने बातचीत किया। गुरूवार को सीबीआई ने कार्रवाई को तेज करते हुए पटना से दो आरोपियों को दबोच लिया है। फिलहाल सीबीआई उन दोनों से पूछताछ कर रही है।

पोस्ट ऑफिस घोटालाः सीमा मिश्रा ने गवाहों को माफी से किया साफ इनकार

लंदन(ईएमएस)। इंग्लैंड के ऐतिहासिक पोस्ट ऑफिस घोटाले की एक के बाद एक परतें उधड़ रही हैं। इंग्लैंड में एक भारतीय मूल की महिला को गलत तरीके से जेल में डाल दिया था। जब यह हुआ तब वह महिला गर्भवती थी। महिला पोस्ट ऑफिस की पूर्व प्रबंधक थी। जिन लोगों ने तब मामले में खुशी जताई थी और गवाही दी थी, उनकी माफी को उन्होंने स्वीकारने से साफ इंकार कर दिया है। जिस इंजीनियर ने उस पर लगे झूठे आरोपों के गलत सबूत दिए थे, उसकी माफी को महिला सीमा मिश्रा ने खारिज कर दिया है। सीमा पर तब गड़बड़ अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर के एक मामले में दोषी करार दिया था। उन्हें 12 साल पहले के इस केस में उन पर 75,000 पाउंड की चोरी करने का आरोप गलत तरीके से साबित किया गया था। सीमा मिश्रा अब 47 वर्ष की हैं। उन पर साबित हुए दोष अप्रैल 2021 में रद्द किए गए थे।बता दें कि यूके सरकार, जो औपचारिक रूप से पोस्ट ऑफिस लिमिटेड पर मालिकाना हक रखती है, ने दोषपूर्ण होराइजन सॉफ्टवेयर से प्रभावित सैकड़ों उप-डाकपालों – जिनमें से कई भारतीय मूल के हैं – को लाखों का मुआवजा दिया है।

राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की, कहा आपातकाल का जिक्र टाला जा सकता था

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उनके द्वारा आपातकाल का उल्लेख किये जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है और इसे टाला जा सकता था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संसद भवन में बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी, जिस दौरान राहुल गांधी ने सदन में अध्यक्ष द्वारा आपातकाल लागू किये जाने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा, यह एक शिष्टाचार भेंट थी। अध्यक्ष ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता घोषित किया और इसके बाद उन्होंने अन्य भारतीय गठबंधन सहयोगी नेताओं के साथ अध्यक्ष से मुलाकात की। यह पूछे जाने पर कि क्या गांधी ने सदन में उठाए जा रहे आपातकाल के मुद्दे पर चर्चा की? वेणुगोपाल ने कहा, हमने संसद के कामकाज के बारे में कई चीजों पर चर्चा की। बेशक, यह मुद्दा भी उठा। कांग्रेस नेता ने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल जी ने इस मुद्दे के बारे में अध्यक्ष को जानकारी दी और कहा कि इसे अध्यक्ष के संदर्भ से टाला जा सकता था। यह स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक संदर्भ है, इसे टाला जा सकता था।

ओम बिरला ने की थी आपातकाल की निंदा

लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने के तुरंत बाद, बिरला ने बुधवार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताते हुए आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढक्रर खलबली मचा दी थी, जिसके बाद सदन में कांग्रेस सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध किया था। बिरला ने कहा कि 26 जून 1975 को देश को आपातकाल की क्रूर वास्तविकताओं का एहसास हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था, मीडिया पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था।

पांच पाकिस्तानी आतंकियों की कश्मीर में संपत्ति जब्त

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को बारामूला जिले में पाकिस्तान स्थित पांच आतंकियों की संपत्तियां कुर्क कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि बारामूला अदालत द्वारा पारित कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद, उसने पाकिस्तान स्थित पांच आतंकवादी गतिविधियों के संचालकों की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क की।

बारामूला पुलिस ने आरोपियों की पहचान तिलगाम निवासी बशीर अहमद गनी, खरगाम निवासी मेहराज उद दीन लोन, तिलगाम निवासी गुलाम मोहम्मद याटू, वानीगाम पाईन निवासी अब्दुल रहमान भट और सतरेसीरन निवासी अब्दुल राशिद लोन के रूप में हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यह यह कार्रवाई सीआरपीसी की धारा 83 के तहत की। इस पूरी कार्रवाई को थाना क्रीरी के मामले एफआईआर नंबर 04/2008 से जोड़ा गया है। इसमें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, भारतीय शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13(यूएपी) से जुड़ा मामला दर्ज है। मामले में अभी जांच जारी रहेगी।

सेंसेक्स पहली बार 79 हजार जबकि निफ्टी 24 हजार के ऊपर पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को रिकार्ड तेजी रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से बाजार अपने अब तक के सबसे उच्च स्तर पर जाकर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुनार घरेलू अर्थव्यवस्था के मजबूत आंकड़ों के साथ ही विदेशी निवेशकों की लिवाली (खरीददारी) से बाजार रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस जैसी कंपनियों के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 79 हजार जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24 हजार के ऊपर निकल गया।

सेंसेक्स आज 0.72 फीसदी करीब 568.93 अंक बढ़कर 79,243.18 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार निफ़्टी भी 0.74 फीसदी तकरीबन 175.70 अंक बढ़कर 24,044.50 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट का शेयर सबसे ज्यादा 5.07 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कंपनी के इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड में 23 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की बात से भी अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ गये। इसके साथ ही एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, टीसीएस, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, लार्सन एंड टुब्रो का शेयर सबसे ज्यादा 1.11 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा सन फार्मा, नेस्ले, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर भी गिरे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार ज्यादा क्षेत्रों में आज बढ़त दर्ज की गई, जिनमें आईटी और उर्जा सबसे ज्यादा वृद्धि हासिल करने वाले क्षेत्रों में रहे। वहीं व्यापक सूचकांकों में आज मिलाजुला असर रहा क्योंकि मिडकैप सूचकांक लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में आधे फीसदी से अधिक की गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले कमजोर संकेतों की वजह से बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। बीएसई सेंसेक्स 0.11 फीसदी लुढ़क कर 78,583 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी50 0.12 फीसदी गिरकर 23,839.90 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

वहीं एशिया-प्रशांत बाजार में गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्केई और कोरिया का कोस्पी 0.94 फीसदी नीचे कारोबार करते दिखे, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 1.50 फीसदी गिर गया। इसके विपरीत वॉल स्ट्रीट में बढ़त दर्ज की गई। नैस्डैक 0.49 फीसदी बढ़ा, डॉव जोन्स 0.16 फीसदी ऊपर और एसएंडपी 500 0.04 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

अमरनाथ तीर्थयात्रियों का पहला जत्था आज कश्मीर पहुंचेगा : 29 जून को बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे

जम्मू(ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को कश्मीर पहुंचेगा। यहां से वे उत्तर कश्मीर बालटाल और दक्षिण कश्मीर अनंतनाग बेस कैंप जाएंगे। शुक्रवार को सुरक्षा काफिले के साथ सभी तीर्थयात्री घाटी के लिए रवाना होंगे और शनिवार को अमरनाथ के दर्शन करेंगे।

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत बुधवार से हो गई है। जम्मू के एसडीएम ने बताया कि सरस्वती धाम सेंटर से ऑफलाइन टोकन दिया जा रहा है। यात्रा की शुरुआत से पहले ही साधु-संत जम्मू पहुंचने लगे हैं। एसएसपी ट्रैफिक नेशनल हाईवे रोहित बसकोत्रा के मुताबिक ट्रैफिक पर निगरानी के लिए उधमपुर से बनिहाल तक 10 हाई-एंड कैमरे लगाए हैं। इनमें उधमपुर के जाखनी क्षेत्र, दलवास, खोनी नाला, मेहर, बैटरी चश्मा, नचलाना, बनिहाल चौक, सुरंग-5, शालीगढ़ी और कटपॉइंट जैसे स्पॉट शामिल हैं। यातायात पुलिस ने अमरनाथ यात्रा के दौरान नेशनल हाईवे पर आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए एक सलाह भी जारी की है, जिसमें लेन ड्राइविंग पर जोर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने पर बड़ा जुर्माना लगाया जाएगा।

पेपर लीक मामले में बुरे फंस सकते हैं विधायक बेदीराम

-कांग्रेस भाजपा पर हमलावार

गाजीपुर (ईएमएस)। गाजीपुर के जखनिया विधानसभा क्षेत्र के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक बेदीराम के पेपर लीक कराने के आरोपों से संबंधित दो वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। वहीं, विधायक के वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं ने भाजपा पर जमकर निशाना साधना शुरु कर दिया है। हालांकि बेदीराम और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मामले पर चुप्पी साध ली है।

बता दें कि बेदीराम सपा-सुभासपा गठबंधन से 2022 में पहली बार विधायक बने हैं। वायरल पहले वीडियो में बेदीराम हजारों रुपए लेकर दूसरे राज्यों में 40-40 भर्तियां कराने का दावा करते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उनका पूर्व सहयोगी बिजेंद्र गुप्ता बेदीराम को पेपर लीक गिरोह का सरगना बता रहा है। हालांकि दोनों वीडियो पहले के बताए जा रहे हैं।

वहीं वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर हमला कर पूछा कि पेपर लीक करवाने वाले बेदीराम को एनडीए में क्यों रखा गया। बता दें कि 10 वर्ष पूर्व बेदीराम और उसके गैंग के सदस्यों को रेलवे भर्ती पेपर लीक कराने के आरोप में जेल भेजा गया था। तब बेदीराम को पेपर लीक कराने का मास्टरमाइंड माना जाता था। गौरतलब है कि बेदीराम ने अपने चुनावी शपथ-पत्र में खुद पर लखनऊ, जौनपुर, भोपाल, जयपुर में कुल 9 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी दी थी।

राजद विधायक का दावा......फिर पलटी मार इंडिया में आएंगें नीतीश कुमार

पटना (ईएमएस)। एक ओर बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) प्रमुख नेता नीतीश कुमार एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं। दूसरी ओर, इंडिया ब्लॉक और खासकर राजद को लेकर नीतिश से अलग उम्मीदें हैं। लालू यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल के विधायक भाई वीरेंद्र ने दावा किया है कि नीतीश कुमार जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) छोड़ने वाले हैं। इसके बाद बीजेपी अकेली रह जाएगी। बीजेपी से अलग होकर नीतीश फिर से इंडिया ब्लॉक में लौटने वाले है। इसके बाद बीजेपी बिहार में नहीं रहेगी।

दरअसल, यह तब शुरू हुआ जब बिहार बीजेपी नेता अश्विनी चौबे से एनडीए नेतृत्व के बारे में सवाल हुआ। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार चुनाव में बीजेपी को एनडीए का नेतृत्व करना चाहिए और बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बननी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री के सवाल पर कहा कि पार्टी में आयातित माल हम बर्दाश्त नहीं करने वाले है। मुख्यमंत्री को लेकर फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। इस बयान के बाद से बिहार में सियासी पार चढ़ा हुआ है।

बिहार में बीजेपी के नेतृत्व में सरकार बननी चाहिए - अश्विनी चौबे

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में टिकट से वंचित बिहार बीजेपी के बड़े नेता अश्विनी कुमार चौबे ने सम्राट चौधरी का बिना नाम लिए हुए कहा, दूसरे जगह से आयात किया हुआ माल नहीं चाहिए। अध्यक्ष पार्टी के मूल सदस्य को ही बनाया जाना चाहिए।

बिहार बीजेपी के बड़े नेता अश्विनी चौबे ने कहा कि बिहार में बीजेपी के नेतृत्व में सरकार बननी चाहिए। यह बात मैंने पार्टी को भी बताया है।

जन हितैषी

बढ़ती धार्मिक कट्टरता से दुनिया की बड़ी आबादी नास्तिकता की ओर

समय और काल के हिसाब से प्रकृति जन्य परिवर्तन होते हैं। सामाजिक विकास में भी बदलाव आता है। उसी के अनुसार लोगों की सोच बनती है। पिछले 25-30 सालों से दुनिया के देशों में धार्मिक कट्टरता बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। धार्मिक कट्टरता के बल पर सत्ता तक पहुंचने के लिए धार्मिक आधार बहुत आसान रास्ता बन गया है। जिसके कारण दुनिया के सभी देशों में धार्मिक एवं जातीय कट्टरता को आधार बनाकर सत्ता में काबिज होने की प्रवृत्ति दुनिया के देशों में बढ़ती जा रही है। ईसाई, मुस्लिम राष्ट्रों के साथ-साथ अब हिंदू राष्ट्र भी धार्मिक कट्टरता के सहारे सत्ता तक पहुंचाने का मार्ग खोज रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। धार्मिक कट्टरता से नाराज लोग अब धर्म मानने या परिवर्तन करने के स्थान पर बड़ी संख्या में नास्तिक बन रहे हैं। दुनिया में करीब 800 करोड़ की आबादी है। धर्म के स्थान पर लोग अब वैज्ञानिक, लोकतांत्रिक, सामाजिक विकास और सामाजिक सामंजस्य से अपने जन्म के समय के धर्म से दूर होते जा रहे हैं। दुनिया के विकसित देशों में जो जनगणना हुई है उसको देखने से पता लगता है कि दुनिया में नास्तिकों की संख्या तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। दुनिया के देशों में अभी 31.5 फ़ीसदी आबादी ईसाई है। 23.2 फ़ीसदी इस्लाम धर्म को मानने वाली आबादी है। हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों की संख्या भी लगभग 15 फ़ीसदी है। दुनिया के देशों में 7.5 फ़ीसदी बौद्ध धर्म को मानने वाली आबादी है। सारी दुनिया के देशों में 5.09 फ़ीसदी आबादी जनजाति धर्म को मानने वाली हैं। जैन धर्म को मानने वालों की संख्या 0.8 फ़ीसदी है। दुनिया के देशों में मात्र 0.2 फ़ीसदी यहूदी हैं। सिख और अन्य धर्म को मानने वालों की संख्या ना के बराबर है। जनसंख्या के आधार पर दुनिया के देशों में 218 करोड़ के आसपास ईसाई धर्म को मानने वाले लोग हैं। 191 करोड़ लोग इस्लाम धर्म को मानने वाले हैं। 116 करोड़ लोग हिंदू धर्म को मानने वाले हैं। भारत, नेपाल, मॉरीशस, अमेरिका सहित अन्य देशों में हिंदू आबादी अधिक रहती है। बौद्ध धर्म मानने वाले 55 करोड़ लोग हैं। इसके बाद जैन धर्म, यहूदी और सिख धर्म मानने वालों की आबादी भी है। सामाजिक व्यवस्था में अब धार्मिक आधार के स्थान पर लोग सामाजिक स्तर पर किसी भी धर्म को मानने के साथ सर्व धर्म समभाव के आधार पर पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते बना रहे हैं। इसमें धर्म गौढ़ होता जा रहा है। ऐसे में दुनियां के सबसे नास्तिक देश की बात करें तो पहले नंबर पर चीन का नाम आता है। वर्ल्ड पॉपुलेशन सर्वे 2023 के अनुसार यहां की 91 फीसदी आबादी ईश्वर को नहीं मानती और न ही किसी धर्म को ही फॉलो करती है। यहां भगवान, धर्म और इंसान के बीच श्रद्धा का कोई सिद्धांत लागू नहीं होता है। अमेरिका जैसे देश में लगभग 6 करोड़ की आबादी किसी भी धर्म को नहीं मानती है। यह आबादी मानव धर्म ओर प्रकृति जन्य परिवर्तन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी से प्रभावित होकर अपने जीवन को नई दिशा और दशा दे रहे हैं। ताइवान, कोरिया, हॉन्गकांग एवं अन्य देशों में किसी भी धर्म को नहीं मानने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। भारत में 2001 और 2011 की जनगणना धार्मिक आधार पर शुरू की गई। भारत में जन्म के आधार पर धर्म की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाती है। अब जो जनगणना होगी, उसमें किसी भी धर्म को नहीं मानने वालों की संख्या का पता भारत में भी चल सकेगा। धार्मिक ग्रंथो में हजारों वर्ष पुराने सिद्धांतों के आधार पर धर्म के आधार पर सामाजिक व्यवस्था की बात की जाती है। जो वर्तमान समय में सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक, और वैज्ञानिक परिवर्तन के अनुकूल नहीं है। धार्मिक ग्रंथों में समय के अनुकूल कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं। धार्मिक आस्था एवं कट्टरता के कारण लोगों का धर्म के प्रति लगाव कम हो रहा है। धार्मिक कट्टरता और वर्तमान में फैली हिंसा लोगों को धर्म से दूर कर रही है। दुनिया के देशों में नास्तिकों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। जो ईश्वर और किसी भी धर्म को नहीं मानते हैं। वर्तमान नियम कानून के आधार पर मानवीय आधार पर मानवीय आधार पर आस्था और विश्वास के साथ प्रकृतिजन्य विकास पर विश्वास करते हैं। नास्तिकों की संख्या बढ़ने का यह भी एक बड़ा कारण है।

बिरला के अध्यक्ष बनने से शुरुआत सही दिशा में

ओम बिरला को दूसरी बार ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का नया स्पीकर चुना गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी उन्हें आसन तक लेकर पहुंचे। ध्वनिमत पर विपक्ष ने डिविजन की मांग नहीं की। ओम बिरला के नाम पर विपक्ष का विरोध न करना मोदी सरकार के लिए भी किसी आश्चर्य से कम नहीं रहा। उम्मीद यही की जा रही थी कि विपक्ष वोटिंग की मांग करेगा और फिर पूरी प्रक्रिया के तहत मतदान होगा। लेकिन आज बिरला को नये लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की खूबसूरती की छटा बिखेर रही थी, वहीं ऐसी संभावनाओं को बल दिया कि अठाहरवीं लोकसभा के सभी सत्र एक नया इतिहास का सृजन करते हुए उम्मीदभरे होंगे। कोटा से तीसरी बार के सांसद ओम बिरला ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। वे लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले तीसरे शख्स हैं। उनसे पहले बलराम जाखड़ 9 सालों तक स्पीकर रहे थे। ओम बिरला का चुना जाना चौंकाता नहीं है, बल्कि जो बात थोड़ी हैरान करने वाली थी वह है इस पद के लिए चुनाव की नौबत लाया जाना। वैसे तो लोकतंत्र में चुनाव किसी भी पद के लिए हो, उसे बुरा मानने का कोई कारण नहीं है। मगर लोकसभा अध्यक्ष का पद ऐसा है जिसमें आम राय को हमेशा तवज्जो दी जाती रही है। वजह यह है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को दोनों पक्षों का सहयोग चाहिए होता है। ऐसे में अगर इस पद पर बैठे व्यक्ति का चयन दोनों पक्ष उसमें अपना विश्वास घोषित करते हुए करें तो पद की शोभा कई गुना बढ़ जाती है।

स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए। वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी. वी. मावलंकर को लोकसभा स्पीकर के रूप में चुना गया था। लोकसभा अध्यक्ष पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई, जिस वजह से चुनाव की नौबत आ गई। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन था। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अपने उम्मीदवार ओम बिरला को ज्यादा से ज्यादा सांसदों के समर्थन के साथ बड़ी जीत दिलवाने के मिशन में जुट गई थी। इंडिया गठबंधन की पूर्व रात्री को हुई बैठक में ही नेताओं का कहना था कि इंडिया गठबंधन के पास संख्या बल नहीं है। इसलिये बिना मतदान के ही ध्वनिमत से बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की कार्रवाई को निर्बाध होने दिया एवं संसदीय पटल पर खुशी का माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी बधाई देते हुए संविधान रक्षा की बात दोहरायी। सदन में तीसरे सबसे बड़े दल के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवाशाली परंपरा जुड़ी है। इसलिए सबकुछ बिना भेदभाव आगे बढ़ेगा। निष्पक्षता इस महान पद की महान जिम्मेदारी है। आप लोकतंत्र के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं।'

हर राष्ट्र का सर्वोच्च मंच उस राष्ट्र की पार्लियामेंट होती है, जो पूरे राष्ट्र के लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, राष्ट्र-संचालन की रीति-नीति और नियम तय करती है, उनकी आवाज बनती है व उनके ही हित में कार्य करती है। राष्ट्र के व्यापक हितों की सुरक्षा करती है। भारत का लोकतंत्र न केवल सशक्त है बल्कि अनूठा एवं प्रेरक है, उसका सर्वोच्च मंच लोकसभा है। सत्रहवीं लोकसभा के सत्रों की कार्यवाही बिरला ने नियोजित एवं सुचारू ढंग से संचालित कर एक स्वस्थ परम्परा का सूत्रपात किया था, उनके अनुभव एवं क्षमताएं सदन को नई दृष्टि देने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके सदन संचालन की दक्षता एवं कौशल की ताजी हवा के झोंकों का अहसास देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा महसूस करता रहा है। वे लोकसभा को कुशलता से संचालित करने में न केवल खरे उतरे हैं बल्कि नये प्रतिमान स्थापित करते हुए सदन की गरिमा एवं गौरव की अभिवृद्धि की हैं। अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष बनकर निश्चित ही वे सदन की कार्यवाही को अनुशासित भी कर सकेंगे, अनुप्रेरित भी कर सकेंगे और पक्ष-विपक्ष के बीच संतुलन रखते हुए देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे, ऐसा विश्वास है। निश्चित ही निष्पक्ष होकर अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा को नए स्तर तक ले जाने में वे सक्षम साबित होंगे।

लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब चालीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। निश्चित ही संतुलन, निष्पक्षता, शालीनता एवं कौशल के बल पर बिरला नये लोकसभा के सदन की कार्रवाई को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे और नयी उम्मीदों को पंख लगायेंगे। इसमें पक्ष एवं विपक्ष का सहयोग अपेक्षित है तभी लोकसभा की शालीनता एवं सभ्यता नई ऊंचाइयों पर आरोहण करेंगी। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है, यदि वहां मर्यादाहीनता एवं अशालीनता का प्रदर्शन होता है तो समस्याएं सुलझने की बजाय उलझती जाती है। छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि ऐसी घटनाएं है, जिनसे संसद जैसी प्रतिनिधि संस्था का गौरव घटता है। यह बात चुने हुए प्रतिनिधियों को समझाने एवं उन्हें प्रशिक्षित करने में बिरलाजी ने पूर्व में जिस तरह की सिद्धहस्तता का परिचय दिया है, वह काबिलेतारीक है।

संसद करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व कर उनकी आवाज बनती हैं। हमारे राष्ट्र की लोकसभा का यही पवित्र दायित्व होता है कि वह उसकी पवित्रता एवं स्वस्थता कायम रखे तथा सभी प्रतिनिधि भगवान् और आत्मा की साक्षी से इस दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने की शपथ लेते हैं। लोकसभा अध्यक्ष पद पर केवल लम्बे संसदीय अनुभव रखने वाले सांसद का चुनाव जरूरी नहीं होता। देखना यह होता है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता है अथवा नहीं और वह सभी पक्षों के साथ यथोचित न्याय करने का हौंसला रखता है या नहीं। सदन में जब मूल्य एवं नैतिक मानक कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊँचा करना ही महत्त्वपूर्ण हो जाता है तो वह सदन निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है। आजादी के अमृत काल में भी हम अपने आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक ऊंचा उठाये। नेता और नायक किसी कारखाने में पैदा करने की चीज नहीं हैं, उनकी काबिलीयत और चरित्र को गढ़ने का काम भी लोकसभा ही करती है। संविधान की शब्दधाराओं को ही नहीं उसकी भावना को महत्व देने के गुणों का विकास भी यहीं से होता है। बोलने की आजादी का सदुपयोग करना भी यही पर सिखाया जाता है। नये अध्यक्ष लोकसभा को प्रशिक्षण की प्रयोगशाला बनाये। नई लोकसभा अपने भीतर ऐसे परिवेश को जन्म दे, जो स्वयं आगे आकर नवनिर्माण करें, दायित्व की बागडोर थामे और सुधार, स्वस्थता एवं विकास का कार्य शुरू करें। लोकसभा बड़े आदर्शों की अपेक्षा एक छोटा-सा सवाल अपने आपसे करने की कोशिश कर रही है कि नयी लोकसभा की अगवानी में अलविदा किसे कहे? अतीत के उन घटना-प्रसंगों को अलविदा कहें जिनकी वजह से लोकसभा के सपने एवं संकल्प अधूरे रहे और उसकी गरिमा धूमिल होती रही है। शुरुआत तो अच्छी हो रही है देखिये आगे क्या होता है? इतना तो है ही कि इस बार सभी पक्षों से बेहतर समझदारी और परिपक्वता की अपेक्षा रहेगी। (लेखक - ललित गर्ग/ ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

इक सुन्दर सपना आखिर टूट ही गया

सपनों का टूटना मनुष्य जीवन का सबसे दुखद पहलू है । ईश्वर ने मनुष्य को ये सुविधा दी है कि वो सोते-जागते स्वप्न देखे,उन्हें साकार कर ,उन्हें टूटने न दे, लेकिन कहते हैं कि ईश्वर एक हाथ से वरदान देता है तो दूसरे हाथ से उसे छीन भी लेता है। सबसे बड़ा उदाहरण भस्मासुर का है। 44 साल पहले राम जी का नाम लेकर गठित भाजपा के तत्कालीन नेतृत्व का ही नहीं बल्कि मौजूदा नेतृत्व का भी एक ही सुन्दर सपना था कि देश कांग्रेस-विहीन हो जाये,लेकिन 2024 के आम चुनाव में भाजपा का ये सुन्दर सपना बुरी तरह से टूट गया है । देश कांग्रेस विहीन तो नहीं हुआ उलटे कांग्रेस के हिस्से में लोकसभा के विपक्ष के नेता का पद और आ गया।

भाजपा के इस सुन्दर सपने में रंग भरने के लिए भाजपा के छोटे से लेकर हर बड़े कार्यकर्ता ने हाड-तोड़ श्रम किया । लालकृष्ण आडवाणी से लेकर अटल बिहारी बाजपेयी तक इसमें लगे रहे,किन्तु आक्रामकता और स्पष्ट लक्ष्य के साथ मोशा की जोड़ी आगे बढ़ी । इस जोड़ी ने 2014 में कांग्रेस को जमीन पर ला पटका,लेकिन 2019 के आम चुनाव ने फिर से अंगड़ाई ली और उठ खड़ी हुई । 2024 के आम चुनाव में तो कांग्रेस ने कमाल ही कर दिया । आज कांग्रेस के पास सत्ता का नेतृत्व तो नहीं है, लेकिन एक मजबूत विपक्ष का नेतृत्व अवश्य है।

भाजपा का सपना टूटते देख मुझे वेदना होती है । किसी का भी सपना टूटते देख मै द्रवित हो जाता हूँ। भाजपा के मामले में तो मुझे रामचरित मानस की वो चौपाई अक्सर याद आ जाती है -

जस-जस सुरसा बदन बढ़ावा।
तासु दून कपि रूप दिखावा।।

भाजपा ने पिछले एकदशक में कांग्रेस को मिटटी में मिलाने के सौ जतन किये लेकिन कांग्रेस मरी नहीं,मिटी नहीं। कांग्रेस एक कोशीय अमीबा की तरह मर-मरकर जीवित होती रही। कांग्रेस के मौजूदा नेता राहुल गांधी ने भाजपा के एक दशक के शासनकाल में सबसे जायदा सहा । मुकदमें झेले,संसद की सदस्यता गंवाई ,फिर अदालत के हस्तक्षेप से वापस पाई । सरकारी मकान छोड़ा ।अठारह-अठारह घंटे तक जांच एजेंसियों के सामने बैठकर पूछताछ का सामना किया। भाजपा की सरकार लेकिन राहुल गांधी को जेल नहीं भेज पाई। जबकि उसके लिए ऐसा करना बहुत कठिन नहीं था। आज स्थिति ये है कि राहुल तमाम अग्निपरीक्षाओं को उत्तीर्ण कर कुंदन की तरह बाहर निकले हैं। आज संसद में वे लोकसभा अध्यक्ष ,सदन के नेता के बाद तीसरे नंबर पर जब खड़े होते हैं तो कांग्रेस को नेस्तनाबूद करने का सपना देखने वालों की नजरें शर्म से नीचे झुक जाती हैं।

कांग्रेस का इस देश से पुराना नाता है ,भाजपा से भी रिश्तेदारी किये देश को आधी सदी होने वाली है । भाजपा भी, कांग्रेस की तरह एक विचारधारा की पोषक पार्टी है । देश में पहले भी विचारधाराओं पर आधारित कैडर वाले राजनीतिक दल हुए हैं ,लेकिन कांग्रेस और भाजपा के विचरों जैसी पुख्तगी किसी और दल में नजर नहीं आती । एक जमाने में सबसे मजबूत विचार देने वाले वामपंथी भी आज हासिये पर है। वे कांग्रेस की तरह उठ खड़े होने में कामयाब नहीं हुए,हालाँकि उन्होंने आज भी अपना रास्ता नहीं छोड़ा और वे आज भी साम्प्रदायिकता के खिलाफ हर लड़ाई में बराबर से खड़े नजर आते हैं।

सवाल ये है कि अब जब कांग्रेस पहले से दोगुनी ताकत के साथ अपने सहयोगियों के साथ लोकसभा में मौजूद है तो भाजपा के कांग्रेस विहीन सपने का क्या होगा ? क्या आने वाले पांच साल में सत्तारूढ़ भाजपा अपने सहयोगी दलों कि साथ देश को कांग्रेस विहीन करने कि अभियान में फिर जुटेगी ? भाजपा कि लिए कांग्रेस को नेस्तनाबूद करने की लड़ाई अब तक जितनी आसान रही उतनी भविष्य में शायद न हो ,क्योंकि उसके प्रमुख सहयोगी दल तेलगू देशम पार्टी और जनता दल यूनाइटेड ने कभी देश को कांग्रेस विहीन करने का न नारा दिया और न ही ऐसे किसी अभियान का हिस्सा बनी । मौक़ा आने पर ये दोनों दल कांग्रेस के साथ खड़े नजर आये। भविष्य में भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ये दोनों दल आगे भी भाजपा का साथ निभाएंगे ?

हकीकत ये है कि इस देश को आजादी से पहले भी कांग्रेस की जरूरत थी और आजादी कि बाद भी जरूरत रही । ये बात और है कि महात्मा गाँधी ने आजादी मिलने कि बाद कांग्रेस को भंग करने की बात कही थी। महात्मा गाँधी का मन न रखकर कांग्रेस के नेताओं ने हालाँकि ठीक नहीं किया,कांग्रेसी भी जनसंघ की तरह कांग्रेस का कोई दूसरा नाम रखकर काम चला सकते थे ,लेकिन जो नहीं होना होता ,सो नहीं होता। कांग्रेस एक शताब्दी से ज्यादा समय के बाद देश सेवा में उसी तरह सन्नद्ध है जैसे कि भाजपा आज है । भाजपा को कांग्रेस राष्ट्रद्रोही लगती है ये और बात है । जिस दिन भाजपा की मान्यता को इस देश की जनता की मान्यता भी मिल जाएगी ,उस दिन कांग्रेस समाप्त हो जाएगी । किन्तु ये दिन शायद कभी आएगा नहीं।

लोकसभा में अध्यक्ष के चुनाव के समय कांग्रेस ने एक बार फिर गाम्भीर्य के साथ ही अपनी राजनीतिक परिपक्वता का मुजाहिरा किया। कांग्रेस यानि इण्डिया गंठबंधन ने आपने प्रत्याशी के सुरेश के नाम की घोषणा के बाद मतदान की जिद नहीं की। लोकसभा अध्यक्ष का सर्वसम्म्त चुनाव करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा और उसके गठबंधन ने कांग्रेस और आईएनडीआईए का आभार मानने के बजाय चुनाव के तुरंत बाद अपना असली रंग दिखा दिया । लोकसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने जिस तरह से नवनिर्वाचित सदस्यों को हड़काने की कोशिश की उससे जाहिर है भाजपा के नेताओं,प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष की चाल,चरित्र और चेहरे में कोई बदलाव नहीं आया है। वे लोकतंत्र की गरिमा का ख्याल रखने के लिए तैयार नहीं है । नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष भूल रहे हैं कि उनके सामने जो विपक्ष है वो कुम्हण बतियाँ नहीं है जो किसी की तर्जनी देखकर कुम्हला जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष के साथ जनादेश से आये एक नहीं सैकड़ों लक्ष्मण खड़े हैं जो राउर डविपक्ष कि नेता .का अनुशासन डआज्ञा . पाकर पूरी लोकसभा को गेंद के समान अपने हाथों पर उठा सकते हैं।

बैशखियों कि सहारे खड़ी भाजपा सरकार कि लिए अवसर है कि वो देश की जनता की आकांक्षाओं को समझे और समन्वय के साथ सरकार चलाये। विपक्ष को लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद सहर्ष सौंपे। दुनिया में देश की पहचान को धब्बा लगाने के लिए कीचड़ में खड़े होकर सियासत करना ठीक नहीं है देश को अदावत की राजनीति से मुक्ति चाहिए। यदि ऐसा न हुआ तो अगले चुनाव में देश की जनता अपना निर्णय फिर बदल सकती है। अभी उसने भाजपा से उसका कवच -कुंडल छीना है मुमकिन है कि भविष्य में वो उससे सब कुछ छीन ले। अभी भी मौक़ा है कि भाजपा का मौजुदा नेतृत्व श्रीमदभागवत गीता के बजाय श्रीमदमोहन भागवत की हिदायतों को ध्यान में रखकर अहंकार त्याग दे अन्यथा भाजपा का भविष्य कंटकीर्ण ही बना रहने वाला है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बार-बार हथेली नहीं लगा पायेगा भाजपा को गिरने से बचने के लिए। आखिर संघ को भी भाजपा ने तनखैया बना दिया है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8051

बाएँ से दाएँ

1. सिंह,शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा,थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना,तड़कना-4
17. शराब,मदिरा-2
19. बुद्धि,मति-3
21. सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23. कर्म,भाग्य-3
24. यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा,माहौल-3
4. आर्द्रता,नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर,फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा,खुमार-2
13. नरम,मुलायम-3
14. एक जैसा,समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ,बेसहारा-3
19. खालिस,शुद्ध-3
20. फालिज,पक्षाघात-3
22. क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -8050 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आप माननीय हैं ! संसद की गरिमा का ख्याल रखें ?

(सामयिक विश्लेषण)

आप माननीय हैं। आप संविधान, विधान और व्यवस्था से ऊपर नहीं हैं। आपको न संसद की गरिमा का मान है न देश के गौरव का। शपथ ग्रहण में जिस तरह आपने अपने माननीय होने का परिचय दिया वह हमारी वह हमारी संसदीय व्यवस्था का कभी हिस्सा नहीं हो सकता। आप अपनी हरकतों से खुद को भले गौरवान्वित महसूश कर रहों, लेकिन देश और लोकतंत्र शर्मसार है। आप के हाथों में संविधान की किताबें भले हों, लेकिन आपका व्यवहार संविधान की चौखट लाँघता दिखा। 18 वीं लोकसभा में 535 माननीय सांसदों ने शपथ लिया, लेकिन किसी ने अपनी अमिट छाप नहीं छोड़ी। कुछ पुराने एवं बरिष्ठ माननीयों को छोड़ । शपथ ग्रहण समारोह में जिस तरह की छवि हमारे माननीयों की उभर कर आई है वह अपने आप में शर्मसार करती है। देश की आत्मा कहीं से भी झलकती हुई नहीं दिखी। अनेकता में एकता की कोई गंध और सुगंध नई आई। सत्ता और विपक्ष पूरी तरह से विभाजित दिखा।

माननीय सांसद देश, संविधान और संसद की व्यवस्था को ताक पर रखकर अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ, जातिवाद, धर्मवाद, क्षेत्रवाद और भाषावाद के गरूर में टूटते और बिखरते दिखे। इस समारोह में देश की खूसूरती हासिए पर रहीं जबकि क्षेत्रवाद, जाति और धर्म शीर्ष पर दिखा। यह अपने आप में विचारणीय बिंदु है। हम देश को किस तरफ ले जा रहे हैं। देश की जनता ने जिन लोगों को चुनकर भेजा है उसे आप क्या संदेश देना चाहते हैं यह अपने आप में विचरणीय बिंदु है। इस पर विस्तृत विमर्श की जरूरत है। हम वोटबैंक और सत्ता की लालच में वैचारिक विभाजन के जरिए सामाजिक अलगाववाद की तरह बढ़ रहे हैं। अब इससे बड़ी हमारी सोच क्या हो सकती है कि हमने देश के खिलाफ साजिश रचने वालों को चुनकर संसद भेज दिया है। जबकि चुनाव जीतने वाले जेल में बंद होने की वजह से शपथ भी नहीं ले पाए। यह क्षेत्रवाद का ही जहर है। फिर राष्ट्रीय एकता की बात कहां से कर सकते हैं।

ऑल इंडिया मजालिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे असदुद्दीन ओवैसी ने जिस तरह संसद की गरिमा और व्यवस्था को तार-तार किया वह अपने आप में काबिले गौर है। भारत माता और संविधान की जय बोलने के बजाय जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और जय फिलिस्तीन का नारा बुलंद किया। ओवैसी को सिर्फ एक क्षेत्र विशेष से प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन वह खुद को सरकार मान बैठे। देश की नीति तय करने का अधिकार उन्हें किसने दिया। फिलिस्तीन-इजरायल, रूस-यूक्रेन के प्रति हमारी नीति क्या होगी यह सार्वभौमिक संसद और सरकार तय करेगी। निश्चित रूप ओवैसी की तरफ से दिया गया बयान बेहद घटिया और संसद की गरिमा के खिलाफ है। उनकी संसद सदस्यता खत्म करने के लिए राष्ट्रपति को जो पत्र दिए गए हैं उस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

संसद में प्रतिपक्ष के नेता निर्वाचित हुए राहुल गांधी हाथ में संविधान लेकर शपथ ग्रहण करने पहुंचे। उन्होंने अपनी शपथ अंग्रेजी में लिया और शपथ ग्रहण के बाद जय संविधान का नारा लगाया। यह उनकी बचकानी हरकतें हैं। वह पुराने सदस्य हैं उन्हें राजनीतिक स्टंट से दूर रहना चाहिए। अपने गंभीर व्यक्तित्व का परिचय देना चाहिए, उस स्थिति में जब वे विपक्ष के नेता चुने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से पहली बार विजई हुए चंद्रशेखर आजाद रावण ने एक साथ कई नारे बुलंद की जिसमें नमो बुद्धाय, जय भीम, जय भारत, जय संविधान, जय मंडल, जय जवान, जय किसान, भारतीय लोकतंत्र जिंदाबाद, भारत की महान जनता जिंदाबाद के नारे लगाए। इस भी सत्ता और विपक्ष के सांसदों के बीच निकझोंक हुईं। रावण बसपा यानी मायावती को कमजोर होता देख दलितों को खुद का मसीहा दिखाने के लिए तेवरदार राजनीति का नैरेटिव गढ़ रहे हैं। उनकी राजनीति वोटबैंक के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन समाज और ब्यवस्था के लिए बिल्कुल नहीं।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भाजपा सांसदों ने जमकर धार्मिक नारों का उपयोग किया। बरेली सीट से भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार ने जहां जय हिंदू राष्ट्र का नारा दिया। वहीं मेरठ से टीवी सीरियल रामायण में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल जय श्रीराम का जयघोष किया। विपक्ष ने दोनों सांसदों के नारे का प्रचुर विरोध किया। अरुण गोविल के जय श्री राम नारे के विरोध में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने जय अवधेश नारा बुलंद किया। क्योंकि अयोध्या की फैजाबाद सीट से अवधेश कुमार निर्वाचित हुए हैं। इस सीट पर बीजेपी की हार को लेकर गंभीर चर्चा हो रही है और अयोध्या के लोगों पर सोशलमीडिया पर टिप्पणियां की जा रही है। जबकि मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने शपथ ग्रहण के बाद राधे-राधे कर लोगों का अभिवादन किया। क्योंकि वह मथुरा से चुनकर आती हैं और मथुरा भगवान कृष्ण से जड़ा है।

शपथ ग्रहण समारोह में सांसदों के व्यवहार और नारेबाजी को लेकर ऐसा लग रहा था जैसे नव निर्वाचित माननीयों में नारे लगाने की होड़ चल रही हो। इस नारेबाजी की होड़ में कोई पिछड़ना नहीं चाह रहा था। डीएमके सांसदों ने उदय नीति स्टालिन जिन्दाबाद के नारे लगाए। जबकि गाजियाबाद से निर्वाचित भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने अटल बिहारी और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने डॉ हेडगेवार जिंदाबाद के भी नारे लगाए। पूर्वांचल की भदोही लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद डॉ विनोद बिंद ने जय बिंद, समाज, जय निषाद जैसे जातिवादी नारों का प्रयोग किया। देवरिया से संसद पहुंचें शशांक मणि ने अपने अंतिम उद्बोधन में जय देवरिया का नारा लगाया। सांसदों ने जय श्रीराम, राधे-राधे, जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना जय महाराष्ट्र, जय शिवाजी जैसे अनगिनत नारे भी बुलंद किए।

देश के विभिन्न हिस्सों से चुनकर आए माननीय सांसदों का व्यवहार संसद के प्रति कितना उत्तरदायि था यह कहना बड़ा मुश्किल है। पुराने और कई बरिष्ठ सांसदों को छोड़ दिया जाय तो अधिकांश माननीयों ने शपथ के दौरान संसद और लोकतंत्र की के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं दिखाई। देश की मीडिया में शपथ ग्रहण समारोह की खूब चर्चा है। अब वक्त आ गया है जब शपथ ग्रहण के लिए भी एक विशेष गाइडलाइन बननी चाहिए। जिसमें कोई भी निर्वाचित सांसद क्षेत्रवाद, धर्म-जाति, भाषा का नारा बुलंद नहीं कर सकता।

शपथ ग्रहण समारोह चाहे जिस भाषा में हो लेकिन देश, संविधान और संसद की गरिमा का सम्मान आवश्यक है। अगर जिंदाबाद करना है तो सिर्फ भारत माता और संविधान की करिए। सत्ता हो या विपक्ष सभी को इस मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए। सरकार को आगे आकर मानसून सत्र में इस पर गंभीर चर्चा करानी चाहिए। विपक्ष को इस पर सहयोग करना चाहिए। क्योंकि यह सवाल सिर्फ सत्ता -विपक्ष का नहीं बल्कि देश, संसद और लोकतंत्र का है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए एक विशेष नियम और कानून की व्यवस्था होनी चाहिए। जिस तरह हमारे माननीयों ने जिंदाबाद की संस्कृति का इजाद किया वह पूरी तरह संसद की संस्कृति, संस्कार, विधान, व्यवस्था, गरिमा और मर्यादा के खिलाफ है। (लेखक - प्रभुनाथ शुक्ल/ईएमएस) (बरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समीक्षक)

खेल-समाचार

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 9 निकेट से हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में प्रवेश किया

त्रिनिदाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। इसी के साथ ही अफ्रीकी टीम ने बड़े मुकाबलों में बिखरने के मिथक को भी तोड़ दिया। इस मैच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला कियो जो गलत साबित हुआ। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने पहली बार सेमीफाइनल खेल रहे अफगानिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम केवल 11.5 ओवर में केवल 56 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के फाइनल में जगह बनाई है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। यानसन ने 16 रन देकर 3 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका का एकमात्र विकेट क्विंटन डि कॉक का गिरा। डि कॉक ने केवल 5 रन बनाये थे। इसके बाद कप्तान एडन मारक्रम और रिजा हेंड्रिक्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। मारक्रम ने नाबाद 23 जबकि हेंड्रिक्स ने नाबाद 29 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामिंट के फाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज शून्य पर ही आउट हो गये। उसके बाद एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये। आधी से अधिक टीम 30 रनों तक ही पेवेलियन लौट गयी। सबसे ज्यादा 10 रन अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। टीम को 13 अतिरिक्त रन बने। इस प्रकार लीग स्तर से लेकर सुपर आठ में उलटफेर कर सबको हैरान करने वाली अफगान टीम का सफर समाप्त हो गया।

यानसन के अलावा कागिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया के सामने अफगान बल्लेबाजी बेबस नजर आयी। रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमातुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नईब, नांगेयालिया खरोटे और मोहम्मद नबी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से यानसन ने 3 जबकि रबाडा और नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बल्ला पटकने के लिए राशिद को फटकार लगायी

दुबई (ईएमएस)।(आईसीसी) ने अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान को आचार संहिता उल्लंघन के लिए फटकार लगायी है। राशिद ने हाल में बांग्लादेश के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप मैच के सुपरआठ मुकाबले के दौरान अपने साथी बल्लेबाज करीब जनत के रन लेने से मना करने के बाद गुस्से में बल्ला जमीन पर फेंक दिया था। आईसीसी ने इससे नियमों का उल्लंघन माना है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के अंतिम ओवर में की है।

आईसीसी ने कहा कि राशिद को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते हुए पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद, बल्ला या कोई अन्य सामान फेंकने से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा राशिद के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्म अंक भी जोड़ा गया है, यह 24 महीने में उनका पहला अपराध था। राशिद ने आईसीसी मैच रैफरी के एमिरेट्स पैनल के रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंध स्वीकार लिया है इसलिए आगे सुनवाई की जरुरत नहीं पड़ी।

अफगानिस्तान बनी टी20 विश्वकप सेमी फाइनल में सबसे कम स्कोर बनाने वाली टीम

त्रिनिदाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान की टीम के नाम आईसीसी टी20 विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह याद नहीं रखना चाहेगी। अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल में के खिलाफ केवल 56 रन बना पायी। ये आईसीसी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले का सबसे छोटा स्कोर श्रीलंका के नाम था। श्रीलंकाई टीम 2010 में टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 11.5 ओवर में 128 रन ही बना पायी थी।

अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतर कर सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान की टीम से उसके प्रशंसकों को काफी उम्मीदें थीं पर उसने निराश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत खराब रही। उसके सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। चार रन पर पहला विकेट गंवाने वाली अफगानिस्तान की टीम ने 20 रन पर चौथा, 23 रन पर पांचवां, 28 रन पर छठा विकेट खो दिया। उसकी पूरी टीम 71 गेंद में 56 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयी।

सबसे अधिक 10 रन चौथे अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। उन्होंने 12 गेंद में 10 रन बनाए। वहीं सबसे अधिक 13 रन अतिरिक्त रहे। ये रन वाइड आर लेगबाई से आये। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों तबरेज शम्सी और मार्को यानसेन ने 3-3 विकेट लिए। शम्सी ने तो केवल 1.5 ओवर के स्पेल में 6 रन देकर 3 विकेट ले लिए। वहीं यानसेन ने 3 ओवर के स्पेल में 16 रन दिए और 3 विकेट अपने नाम किए। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्किया को दो-दो विकेट मिले।

शुभमन की कप्तानी में एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी भारतीय टीम-यशस्वी , सैमसन सहित चार खिलाड़ी बाद में रवाना होंगे

मुम्बई (ईएमएस)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस दौरे में बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हाई-परफॉर्मेंस कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं इस दौरे के लिए चयनित यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और खलील अहमद टी20 विश्वकप समाप्त होने के बाद रवाना होंगे।

इस दौर के लिए युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और बल्लेबाज रियान पराग अभी राजस्थान रॉयल्स के उच्च प्रदर्शन केंद्र में तैयारी कर रहे हैं। वे वहां लगभग एक सप्ताह प्रशिक्षण में बिताएंगे और मुंबई में अन्य खिलाड़ियों से मिलेंगे। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, अंतरिम भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में युवा टीम के साथ यात्रा करेंगे। एनसीए के सहयोगी स्टाफ के भी लक्ष्मण के साथ रहने की उम्मीद है।

भारत और श्रीलंका के बीच होगी सीमित ओवरों की सीरीज

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम जुलाई के अंत में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए श्रीलंका जाएगा। भारतीय टीम इस दौरे में तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज का पहला मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा और इसके बाद के मैच 28 और 30 जुलाई को खेले जाएंगे। टी20 सीरीज के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का पहला मैच 2 अगस्त को खेला जाएगा जबकि अंतिम दो मैच 4 और 7 अगस्त को होंगे। इस दौरे में भी युवाओं को अवसर मिलने की संभावना है। इस सीरीज से आर्थिक संकट में डूबे श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को लाभ होना तय है।

अगले माह एशिया कप में होगा भारत-पाक की महिला क्रिकेट टीमों में मुकाबला

मुम्बई (ईएमएस)। अब प्रशंसकों को एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अनुसार ये मुकाबला अगले माह श्रीलंका में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 19 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। इस बार एशिया कप में मेजबान श्रीलंका सहित आठ टीमें भाग लेंगी। पिछली बार से अलग करते हुए इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में रहेंगे। .

एसीसी के अनुसार भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी नजर आयेंगी।

करतारपुर साहिब में स्थापित की गई महाराज रणजीत सिंह की प्रतिमा

लाहौर (ईएमएस)। सिख साम्राज्य के पहले शासक महाराज रणजीत सिंह की प्रतिमा को मरम्मत के बाद करीब 450 भारतीय सिख श्रद्धालुओं की मौजूदगी में करतारपुर साहिब में फिर से स्थापित किया। इस प्रतिमा को पहले लाहौर स्थित किले में महाराजा रणजीत की समाधि के पास स्थापित किया गया था इस मूर्ति को धार्मिक कट्टरपंथियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। पाकिस्तान और भारत के सिख समुदाय के सदस्यों ने महाराजा की स्थापित प्रतिमा के सामने तस्वीर खिंचवाई।

पंजाब सूबे के पहले सिख मंत्री (अल्पसंख्यकों के लिए) और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) के अध्यक्ष रमेश सिंह अरोड़ा ने प्रतिमा का अनावरण किया। करतारपुर साहिब को गुरुद्वारा दरबार साहिब के नाम से भी जाना जाता है और यह लाहौर से लगभग 150 किलोमीटर भारतीय सीमा के करीब है। अरोड़ा ने बताया कि स्थानीय और भारतीय सिखों की उपस्थिति में गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर साहिब में महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा स्थापित की है।''

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के 44 वर्षीय नेता ने कहा कि पुनर्स्थापित प्रतिमा को मुख्य रूप से करतारपुर साहिब में इसकारण स्थापित किया गया ताकि गलियारे का उपयोग करके सीमा पार यहां आने वाले भारतीय सिख भी देख सकें। अरोड़ा ने कहा, करतारपुर में सिख नेता की प्रतिमा की भी बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, जिसे पहले लाहौर किले में क्षतिग्रस्त कर दिया गया था।''

महाराजा रणजीत की नौ फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा को सबसे पहले लाहौर के किले में उनकी समाधि के करीब 2019 में स्थापित किया गया था, लेकिन प्रतिमा को दो बार दक्षिणपंथी इस्लामिक राजनीतिक पार्टी तहरीक ए लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। पंजाब के महान सिख शासक की प्रतिमा ब्रिटेन की एक संस्था की ओर से सूबे के लोगों को उपहार में दी गई थी। महाराजा रणजीत सिंह सिख साम्राज्य के संस्थापक थे और उनके साम्राज्य का विस्तार भारतीय उप महाद्वीप के पश्चिमोत्तर में था एवं राजधानी लाहौर थी।

सोना 3000, चांदी के 3800 तक कम होंगे भाव!

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार आगामी बजट में सोने और चांदी पर आयात शुल्क में 5 फीसदी की कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ?विशेषज्ञ और वित्त मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो सरकार सोने पर आयात शुल्क को 15 फीसदी से नीचे लाने पर गंभीरता से सोच रही है। अगर ऐसा होता है तो सोना-चांदी की कीमतों में कमी आएगी, साथ ही सोने की तस्करी पर लगाम लगाई जा सकेगी। सूत्रों की मानें तो इस बात पर भी चर्चा है कि सोने के पुराने जेवर को बेचते समय ग्राहकों को जीएसटी में कुछ इन्सेंटिव मिले, जिसे आयात में कमी आए और सरकार के घाटे पर दबाव कम हो। इस फैसले से सोने में करीब 3000 रुपये तो चांदी में 3800 रुपये तक की कमी आ सकती है। कंपनी से जुड़े एक अन्य जानकार ने कहा कि अगर सरकार जीएसटी को ही 18 फीसदी कर दे और कस्टम डयूटी जीरो हो तो सोने की तस्करी रुक सकती है। वहीं पुराने सोने को बेचते समय 3 प्रतिशत जीएसटी हटा दिया जाए तो यह इंसेंटिव बहुत बड़ा होगा।

सेबी ने ट्रेडिंग योजना प्रारुप को सरल बनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कंपनियों के बारे में अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी रखने वालों के लिए ट्रेडिंग योजना प्रारूप को आसान बना दिया। इस नियम के तहत ट्रेडिंग योजना (टीपी) हमेशा अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) रखने वाले वरिष्ठ प्रबंधन या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों (केएमपी) को प्रतिभूतियों में अनुपालन तरीके से व्यापार करने के लिए सक्षम बनाती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक अधिसूचना में कहा कि ट्रेडिंग योजना के खुलासे और कार्यान्वयन के बीच न्यूनतम अवधि को छह महीने से घटाकर चार महीने कर दिया गया है। बाजार नियामक ने कहा कि ट्रेडिंग योजना बनाते समय अंदरूनी सूत्र को मूल्य सीमा देने के लिए लचीलापन रखना होगा। इस तरह की मूल्य सीमा ट्रेडिंग योजना पेश करने की तारीख पर समापन मूल्य के 20 प्रतिशत के भीतर होगी। यदि प्रतिभूति की कीमत अंदरूनी सूत्र द्वारा निर्धारित मूल्य सीमा से बाहर है, तो सौदा निष्पादित नहीं किया जाएगा।

सोना गिरकर 71 हजार, चांदी के भाव भी गिरे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव 71 हजार रुपये से नीचे, जबकि चांदी के वायदा भाव 86,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में नरमी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 97 रुपये की गिरावट के साथ 70,992 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 108 रुपये की गिरावट के साथ 70,981 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 401 रुपये की गिरावट के साथ 86,564 रुपये पर खुला। इस समय यह 340 रुपये की गिरावट के साथ 86,625 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,309.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,313.20 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,311.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.77 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.93 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 28.79 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रियल एस्टेट में जीएसटी छूट का उचित लाभ मिलेः कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई सरकार के गठन के साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए बजट बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वित्त मंत्रालय के अधिकारी और खुद वित्त मंत्री भी उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिल रही हैं। इसी क्रम में रियल एस्टेट जगत भी अपनी मांगों को वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष मांग कर रहा है। यह क्षेत्र चाहता है कि रियल एस्टेट सेक्टर में वस्तु एवं सेवा कर या जीएसटी छूट का उचित लाभ अभी नहीं मिल पाता है। इसमें सुधार किया जाए। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू का कहना है कि सरकार को किफायती और सस्टेनेबल आवास के लिए पहलों को प्राथमिकता देना जारी रखना चाहिए। सस्ते मकान का समर्थन करने वाली नीतियां आवास की कमी को पूरा करने के साथ ही सभी नागरिकों के लिए आवश्यक जीवन स्तर को सुनिश्चित करने में मदद करेंगी। इसके साथ ही सस्टेनेबल आवास को बढ़ावा देना वैश्विक रुझानों व मानको के अनुरूप है जो पर्यावरण संबंधी चिंताओं को हल करता है, जिससे भारत हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। इसके अनुरूप, वित्त मंत्रालय को आगामी केंद्रीय बजट में किफायती एवं मध्यम आय आवास के लिए विशेष विंडो के तहत 50,000 करोड़ रुपये की दूसरी सहायता और जीएसती के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति देना और सभी के लिए आवास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किराये के आवास के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए।

एयर इंडिया से सिर्फ 883 रुपये में भर सकेंगे उड़ान

नई दिल्ली (ईएमएस)। हवाई जहाज में यात्रा करने वालों के लिए टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने खास ऑफर की पेशकश की है। इस ऑफर के जरिए हवाई यात्री मात्र 883 रुपये में उड़ान भर सकेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग प्लेटफार्मों पर सेल की घोषणा की। जो यात्री एयर इं?डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम और मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करते हैं तो एक्सप्रेस लाइट का किराया 883 रुपये से शुरू होगा। वहीं अन्य बुकिंग चैनलों के माध्यम से एक्सप्रेस वेल्यू का किराया 1,096 से शुरू होगा। इस ऑफर का लाभ यात्री 28 जून तक उठा सकते हैं। हालांकि, यात्रा 30 सितंबर तक मान्य रहेगी। ग्राहक जो एयर इं?डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम पर बुकिंग करते हैं, वे खास फायदे उठा सकते हैं। इनमें जीरो चेक-इन बैगेज एक्सप्रेस लाइट किराए पर विशेष छूट शामिल है। आप बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 3 किलोग्राम कैबिन बैगेज प्री-बुक कर सकते हैं। इसके अलावा चेक-इन बैगेज की फीस पर भी छूट है। घरेलू उड़ानों पर 15 किलोग्राम के लिए 1000 से और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 20 किलोग्राम के लिए 1300 से डिस्काउंट मिल सकता है। एयर इं?डिया एक्सप्रेस के लॉयल्टी सदस्य 100 से 400 तक की विशेष छूट पा सकते हैं और वेबसाइट पर 8 फीसदी तक न्यू काइन कमा सकते हैं।

पन्नू मामले में भारत की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा है कि वह सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश में एक भारतीय अधिकारी के शामिल होने के आरोपों की भारत की जांच के नतीजों का इंतजार कर रहा है। पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का आरोप लगाया था। आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है।

इन आरोपों के बाद भारत ने हत्या की कथित साजिश पर अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराई सूचनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। मिलर ने कहा, ''हम उन सदस्यों को निजी रूप से जवाब देने वाले हैं, जैसा कि हम हमेशा करते हैं। मैं उसके बारे में यहां नहीं बोलूंगा।

अमेरिका के उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल ने कहा था कि उनके देश ने पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश की भारत द्वारा जांच से संबंधित अद्यतन जानकारी मुहैया करने पर लगातार जोर देकर स्पष्ट किया है कि वाशिंगटन मामले में जवाबदेही चाहता है। कैम्पबेल ने पिछले हफ्ते अपनी और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारजेक सुलीवन की भारत यात्रा पर प्रेस वार्ता में ये टिप्पणियां कीं।

दमिश्क में देर रात सुनाई दीं विस्फोट की आवाजें

दमिश्क,(ईएमएस)। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाकों में बुधवार देर रात विस्फोट की आवाजें सुनी गईं। ये इजरायल की ओर से किए गए मिसाइल हमले लग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और शाम एफएम रेडियो के मुताबिक हमले दमिश्क के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में सैय्यदा ज़ैनब उपनगर के पास एक इलाके में हुए। इस बीच सीरियाई वायु रक्षा मिसाइलों के साथ-साथ दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में विस्फोटों की आवाज़ सुनी गई।

पाकिस्तान में लू और गर्मी ने ली लोगों की जान, भरे पड़े हैं मुर्दाघर

कराची,(ईएमएस)। भारत के साथ पाकिस्तान भी भीषण गर्मी की चपेट में है। पाकिस्तान में भी भीषण गर्मी के कारण कई लोगों मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में भीषण गर्मी के कारण पिछले चार दिनों में कम से कम 450 लोगों की मौत हुई है। हालात यह है शवों को रखने के लिए जगह नहीं है। मुर्दाघर भरे पड़े हैं। पाकिस्तान के एनजीओ का दावा है। पाकिस्तान सरकार ने अभी इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा पेश नहीं किया है।

बताया जा रहा है कि मरने वालों में से 141 लोगों ने 25 जून को जान गंवाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी सेवाओं के कर्मचारियों को कराची की सड़कों पर अब तक 30 लोगों के शव मिले हैं। उसका कहना है कि उसे बुधवार को छोड़कर पिछले चार दिनों में कम से कम 427 शव मिले हैं। ज्यादातर शव बेघर लोगों और सड़कों पर नशा करने वालों के हैं। तेज गर्मी की लहर ने उनकी जान ले ली। ये लोग अपना पूरा दिन इलाज की तलाश में खुले में बिताते हैं। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची भयंकर गर्मी की चपेट में है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। तटीय इलाकों के हिसाब से यह बेहद खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, हवा में ज्यादा नमी की वजह से उमस है। इसकी वजह से 40 डिग्री तापमान भी 49 डिग्री जैसा महसूस हो रहा है। पिछले चार दिन में कराची के सिविल अस्पताल में हीटस्ट्रोक की वजह से 267 लोग भर्ती किए गए हैं।

अमेरिका में बढ़ी तेलुगू भाषी लोगों की संख्या, घर जैसा मिल रहा माहौल : छात्रों का सबसे बड़ा समूह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका जाने वाले भारतियों की संख्या अब बढ़ने लगी है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि वहां भारतीय छात्रों को घर जैसा माहौल मिलने लगा है। अमेरिका में तेलुगू बोलने वालों की आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। यहां 2016 में तेलुगू भाषी लोगों की संख्या 3.2 लाख थी। जो 2024 में बढ़कर 12.3 लाख हो गई है। अमेरिकी जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस आबादी में चौथी पीढ़ी के अप्रवासी से लेकर हाल ही में आए छात्र शामिल हैं।

कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा तेलुगू भाषी लोग रहते हैं। जो करीब दो लाख है। उसके बाद टेक्सास में 1.5 लाख और न्यू जर्सी में 1.1 लाख हैं। इलिनॉयस 83,000, वर्जीनिया 78,000 और जॉर्जिया 52,000 जैसे राज्यों भी तेलुगू लोगों की संख्या काफी है। डेटा से पता चलता है कि इनमें से हर राज्य में संख्या में करीब चार गुना बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय तेलुगू संघों का कहना है कि ये संख्या उनके अपने अनुमानों के अनुरूप है।

रिपोर्ट के मुताबिक हर साल 60,000 से 70,000 छात्र अमेरिका पढ़ने आते हैं। इसके साथ ही करीब 10,000 एच1बी वीजा धारक भी आते हैं। पुरानी पीढ़ी के लोग मुख्य रूप से उद्योगपति हैं। जबकि 80फीसदी से ज्यादा युवा पीढ़ी आईटी और फाइनेंस सेक्टर में है। तेलुगु भाषा का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि यह अब अमेरिका में 350 भाषाओं में से 11वीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली विदेशी भाषा बन गई है। हिंदी और गुजराती से पहले तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भारतीय भाषा है तेलुगू । रिपोर्ट 2024 के मुताबिक अमेरिका में भारतीय छात्रों का सबसे बड़ा समूह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का है। कुल छात्र समूह का 12.5 फीसदी हिस्सा यहीं का है।

24 घंटे में 35 सैन्य विमान और 7 नौसैनिक जहाज.....ताइवान पर क्या चाहता है चीन

बीजिंग (ईएमएस)। चीन और ताइवान में फिर तनाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। चीनी सेना बार-बार ताइवान की सीमा में घुस रही है। दरअसल, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 24 घंटे की अवधि के दौरान द्वीप के आसपास 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगाया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 24 घंटे की अवधि के दौरान 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगा।

ताइवान के मुताबिक चीन के 19 एयरक्रॉफ्ट उसके डिफेंस आईडेंटिफिकेशन जोन यानी डीआईजेड तक पहुंच गए थे।

प्रदर्शनकारियों के आगे झुकी केन्या सरकार, वित्त विधेयक वापस लिया

नैरोबी(ईएमएस)। केन्या में हर एक वस्तु पर भारी भरकम टैक्स लगाने के विरोध में लोग सड़को पर उतर आए। जगह जगह प्रदर्शन हुए और लोगों ने नारेबाजी की। बढ़ते विरोध को देखते हुए केन्या सरकार ने वित्त विधेयक वापस लेने का फैसला करते हुए प्रदर्शनकारियों के आगे घुटने टेक दिए हैं।बता दें इससे पहले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोलीबारी में पांच प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी, दर्जनों घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के कुछ हिस्सों में आग लगा दी थी। देशभर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में कुल 23 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन और तेज करने की धमकी दी थी।

केन्या में टैक्स का बोझ बढ़ाए जाने के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने बुधवार को कदम पीछे खींच लिए। राष्ट्रपति ने टीवी के लिए देश के नाम संबोधन में कहा वह वित्त विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। वित्त विधेयक वापस लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह अब केन्या के युवाओं के साथ बातचीत शुरू करेंगे और देश में आय ओर व्यय के अंतर को पूरा करने के लिए मितव्ययिता पर काम करेंगे। संसद पर द्वारा पारित वित्त विधेयक में टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव था। वित्त विधेयक में टैक्स का बोझ बढ़ाए जाने से गुस्साए हजारों लोग मंगलवार को संसद परिसर में घुस गए थे।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में सामने आए आंकड़ें...विदेशों से आई रकम में 7.5 प्रतिशत का उछाल

एक साल में भारतीयों ने भेजे 120 अरब डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश में रहने वाले भारतीयों ने देश में जमकर पैसा भेजा है। वल्र्ड बैंक की रिपोर्ट में जो आंकड़े पेश किए गए हैं, उसके मुताबिक बीते वित्त वर्ष 2023-24 में विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने 120 अरब डॉलर की रकम भेजी है। इस रिपोर्ट में खास बात ये है कि भारत में आए पैसों का ये आंकड़ा अमेरिका से करीब दोगुना है। चीन इस मामले में तीसरे पायदान पर है।

विदेशों से भारत में भेजी गई रकम में बीते वित्त वर्ष 7.5 फीसदी की जोरदार बढ़त दर्ज की गई है। अमेरिका में महंगाई में आई गिरावट और मजबूत लेवल मार्केट के चलते ये फायदा देखने को मिला है। वल्र्ड बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-2022 के दौरान मजबूत ग्रोथ के बाद 2023 में आधिकारिक तौर पर विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा देश भेजे गए पैसे या धन प्रेषण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कम रहा और यह 656 अरब डॉलर तक आ गया।

अमेरिकियों से करीब दोगुना पैसा भारतीयों ने भेजा

पीटीआई के मुताबिक, वल्र्ड बैंक की रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों पर गौर करें तो वित्त वर्ष 2023 में विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई रकम तमाम देशों में बसे अमेरिकियों द्वारा यूएस भेजी गई राशि से करीब दोगुना है। मेक्सिको को इसी अवधि में मिले 66 अरब डॉलर की रकम मिली है। विदेशों में रहने वाले अपने मूल निवासियों द्वारा भेजी जाने वाली राशि के मामले में टॉप-5 में भारत और अमेरिका के अलावा चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

चीन से पाकिस्तान में इतनी आई विदेशी रकम

विश्व बैंक की जारी लेटेस्ट रिपोर्ट में अन्य देशों में आई विदेशी रकम के बारे में डिटेल जानकारी शेयर की गई है। इसके मुताबिक, विदेशों से भेजी गई राशि या रेमिटेंस हासिल करने वालों में चीन 50 अरब डॉलर के साथ तीसरे पायदान पर है। इसके अलावा टॉप-5 में चौथे नंबर पर फिलीपींस 39 अरब डॉलर के साथ काबिज हैं, तो पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है। दुनिया के तमाम देशों में रहने वाले पाकिस्तानियों ने अपने देश में वित्त वर्ष 23 में 27 अरब डॉलर की राशि भेजी है।

यूएस के बाद यूएई से आया ज्यादा पैसा

कुल मिलाकर विदेशों में रह रहे भारतीयों ने पैसे भेजने के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका भारत के कुशल प्रवासियों के लिए सबसे बड़ा गंतव्य है और दूसरे पायदान पर यूएई का नाम शामिल है। इसमें बताया गया है कि यूएसए के बाद भारत में आने वाले रेमिटेंस में सबसे बड़ा 18 फीसदी का हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात से आया है। इंडिया-यूएई के बीच सीमा-पार लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और भुगतान व कम्युनिकेशन सिस्टम बेहतर बनने से ये असर देखने को मिला है। विश्व बैंक ने ये भी कहा है कि भारत में धन प्रेषण या रेमिटेंस साल 2024 में 3.7 फीसदी तक उछलकर 124 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा अनुमान ये भी है कि साल 2025 में इस आंकड़े में चार फीसदी का उछाल देखने को मिल सकता है और विदेशों से आने वाली रकम बढक़र 129 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है।

हूतियों का दावा- इजरायल में अडानी के पोर्ट पर किया ड्रोन अटैक

तेल अवीव(ईएमएस)। इजरायल में मौजूद भारतीय कंपनी के बंदरगाह पर यमन के हूती विद्रोहियों ने हमले का दावा किया है। दावा है कि उन्होंने इजरायल के हाइफा बंदरगाह पर ड्रोन के जरिए हमला किया है। इराक के इस्लामिक प्रतिरोध के साथ एक संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें कई ड्रोन ने हाइफा बंदरगाह के करीब एक इजरायली जहाज को निशाना बनाया। इजरायल का हाइफा बंदरगाह भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस बंदरगाह का संचालन भारतीय अरबपति गौतम अडानी की कंपनी एक स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर करती है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह इजरायल के सबसे प्रमुख बंदरगाहों में से एक है, जहां से लगभग 99 फीसदी सामान समुद्र के रास्ते आता-जाता है। पिछले साल जनवरी में 4 अरब शेकेल (1.03 अरब डॉलर) में इसे खरीदा गया था। ईरान के समर्थन वाले हूती लड़ाकों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बुधवार को टीवी पर एक बयान में हमले के बारे में बताया। इजरायल ने हालांकि हूतियों के हमले से इनकार किया है। इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि आर्मी को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी नहीं है। हाइफा बंदरगाह पर किसी असामान्य चीज का कोई संकेत नहीं है। इजरायल की ओर से गाजा पर हमले के विरोध में हूतियों ने पिछले साल नवंबर से ही हमला शुरू कर दिया है। उसका कहना है कि यह हमले गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए है। नवंबर में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में शिपिंग लेन पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया था। दर्जनों हमलों में उन्होंने दो जहाज डुबो दिए, एक जहाज हाईजैक कर लिया।हीं दूसरी ओर अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संभवतः ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए हैं।

राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में महिला मंत्री गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में उनकी कैबिनेट की एक महिला मंत्री को गिरफ्तार किया गया है। उसका नाम फातिमा शमनाज अली सलीम है।

फातिमा मुइज्जू सरकार में पर्यावरण मंत्री हैं। उनके साथ दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसमें से एक उसका भाई है। इन लोगों को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां से इन्हें सात दिनों की रिमांड पर भेजा गया है।

इसके पहले पुलिस ने फातिमा के आवास पर छापेमारी कर कई आपत्तिजनक चीजों को जब्त किया है। कहा जा रहा है कि इनका इस्तेमाल वह काले जादू के लिए करती थी।

राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू करने को लेकर कई बातें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू करके शमनाज उनकी गुड बुक्स में आना चाहती थीं। बताया जा रहा है वहां सरकार में अहम पद हासिल करना चाहती थी। इसके लिए काले जादू का सहारा ले रही थी।

मामले में एक अलग बात सामने आ रही है कि मुइज्जू की पत्नी और फर्स्ट लेडी ने प्रतिशोध की भावना से शमनाज को इस मामले में फंसाया है। क्योंकि आरोप है कि शमनाज ने मुइज्जू की पत्नी का एक वीडियो लीक किया था, जिसमें वह किसी पब में गाना गाते और थिरकती नजर आ रही हैं।

पर्यावरण मंत्री बनने से पहले शमनाज माले सिटी काउंसिल में हेनवीरू साउथ की काउंसिलर थीं। उन्होंने इस साल अप्रैल में मुइज्जू सरकार में मंत्री पद संभालने के लिए काउंसिल से इस्तीफा दे दिया था। वह इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय में भी अहम पद पर थी।

वह मुइज्जू और उनकी पत्नी के करीबी रहे एक बड़े अधिकारी एडम रमीज की पूर्व पत्नी हैं। दोनों का हाल ही में तलाक हुआ है। मामले में रमीज पर कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं, और ना ही मामले में उनकी कोई संलिप्तता का पता चला है। लेकिन उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। शमनाज के तीन बच्चे हैं, जिनमें से एक की उम्र डेढ़ साल के आसपास है।

बता दें कि मालदीव सरकार ने देश में लगातार बढ़ रहे काले जादू के मामलों को देखकर 2015 में एक चेतावनी जारी की थी। माले सरकार के इस्लामिक मंत्रालय ने सार्वजनिक चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि समाज में काले जादू का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। लोगों को इससे दूर रहना चाहिए।

बोलीविया का तख्ता पलटने का असफल प्रयास, जनरल गिरफ्तार

ला पाज़,(ईएमएस)। बोलीविया में राष्ट्रपति लुइस आर्से के खिलाफ तख्ता पलटने की असफल साजिश के कुछ घंटों बाद जनरल जुआन जोस जुनिगा को गिरफ्तार कर लिया गय। यह गिरफ्तारी ला पाज़ शहर में उप आंतरिक मंत्री जॉनी एगुइलेरा के नेतृत्व में एक अभियान चलाकर की गई।

मीडिया रिपोर्ट में एफजीई के संचार प्रमुख जोस लुइस टारक्विनो के हवासे से बताया कि तख्ता पलटने के असफल कोशिश में शामिल ज़ुनिगा और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ला पाज़ शहर में हुई नई घटनाओं को देखते हुए अटॉर्नी जनरल ने जनरल जुआन जोस ज़ुनिगा और घटनाओं में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच के अनुरूप सभी कानूनी कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है।

उ.कोरिया ने ज्यादा हथियार ले जाने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया

तानाशाह रुस भेजेगा अपने सैनिक

वाशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पिछले दो साल से रूसी सेना से लोहा ले रहा है। अब रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया सामने आया है। उ.कोरिया ने कहा है कि वह एक महीने के अंदर अपने सैनिकों को रूस भेजेगा। ताकि यूक्रेन के खिलाफ जंग में वह रूस की मदद कर सके। अमेरिका के डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कर्ट कैंपबेल ने कहा है कि उत्तर कोरिया बहुत जल्द रूस से लंबी दूरी की न्यूक्लियर मिसाइल टेक्नोलॉजी हासिल करने वाला है। जबकि इसके बदले वह रूस को आर्टिलरी के गोले देगा। खबर है कि उत्तर कोरिया ने कई हथियारों वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया है कि किम जोंग उन के देश ने ऐसी मिसाइल बना ली है, जिसमें एक नहीं बल्कि ज्यादा हथियार लगाए जा सकते हैं। यह एक इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। जिसका पहला स्टेज सॉलिड फ्यूल इंजन से चलता है। यह खुलासा तब हुआ है जब एक दिन पहले ही उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर दागी गई हाइपरसोनिक मिसाइल हवा में जाते ही फट गई थी। लेकिन कई हथियारों वाली मिसाइल ने परीक्षण के समय अपने सारे तय मानक पूरे किए। उसके सभी वारहेड अलग-अलग सेपरेट हुए। इन हथियारों को तय किए गए तीन अलग-अलग टारगेट्स पर हिट कराया गया।

सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर 6 जुलाई को लौटेंगे धरती पर

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय मूल की नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विल्मोर अभी भी अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं। कुछ हफ्ते पहले ही वह स्टेशन पहुंचे थे। उनके लौटने की दो बार तारीख टल चुकी है लेकिन, अब खुशखबरी है कि नासा ने उनकी वापसी की तारीख का ऐलान कर दिया है। दरअसल, बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी दिक्कत आने से विमान अंतरिक्ष में ही फंस गया है।

सुनीता और बुश को लेकर बोइंग का स्टारलाइनर कैप्सूल ने पांच जून को धरती से उड़ान भरी थी और छह जून को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरा था। तकनीकी दिक्कत आने से विमान अभी भी स्टेशन में ही फंसा है। उसमें आई खराबी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापस आने की योजना अधर में लटकी है। नासा ने सीआईडी रिटर्न को तीन बार रीशेडयूल किया है।

सुनीता विलियम्स और उनके साथी की स्पेस सेंटर से वापसी अब तय हो गई है। नासा के क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच का कहना है कि स्टारलाइनर को 45 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किया जा सकता है। नासा के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि सुनीता और बुश की धरती पर लौटने की तारीख छह जुलाई तय की गई है।

नासा के टैक्नीकल स्टॉफ का कहना है कि विमान के थ्रस्टर्स ज्यादा गर्म हो गए और हीलियम का भार वहन हुआ। मिशन प्रबंधन टीम डेटा की जांच कर रही है। छह जून को स्टारलाइनर के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लैंडिंग के बाद यात्रियों को पता लगा कि पांच हीलियम लीक हो गए हैं और पांच थ्रस्टर्स ने काम करना बंद कर दिया है। एक वाल्व पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इसी कारण अंतरिक्ष में चालक दल को मरम्मत में ज्यादा समय लग रहा है।

केन्या को लेकर भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नैरोबी(ईएमएस)। केन्या की राजधानी नैरोबी में प्रस्तावित टैक्स इजाफे के विरोध में सड़कों पर उतरी भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस की तरफ से आंसू गैस और पानी की बौछारें छोड़ने के बाद वहां भारी अराजकता फैल गई है। एमनेस्टी केन्या सहित कई गैर सरकारी संगठनों ने एक संयुक्त बयान में बताया कि केन्या को हिलाकर रख देने वाली घातक कार्रवाई में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और 31 घायल हो गए। केन्या में भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को भारतीय नागरिकों को अफ्रीकी राष्ट्र में हिंसक विरोध प्रदर्शन से उत्पन्न 'तनावपूर्ण' स्थिति के मद्देनजर 'अत्यधिक सावधानी' बरतने की सलाह दी। भारतीय उच्चायोग ने एक परामर्श में कहा, 'मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति सामान्य होने तक विरोध और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।' एक आधिकारिक अनुमान के अनुसार वर्तमान में लगभग 20,000 भारतीय केन्या में रह रहे हैं।

पिछले सप्ताह प्रदर्शनकारी काफी हद तक शांतिपूर्ण रहे थे, लेकिन मंगलवार को नैरोबी में झड़पें शुरू हो गईं, भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, बैरिकेड तोड़ दिए और संसद परिसर में जबरन घुस गए। आंदोलन इस हद तक उग्र हो गया कि परिसर में घुसे हजारों प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के एक हिस्से में आग लगा दी, जिससे सांसदों को इसे खाली करना पड़ा। जवाबी कार्रवाई में, केन्याई पुलिस ने गोलीबारी की और रबर की गोलियां चलाईं।

धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट के बहाने अमेरिका ने भारत पर साधा निशाना, धार्मिक हिंसा का जिक्र किया

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 के बहाने भारत पर निशाना साधा है। रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों खास तौर से मुस्लिमों और ईसाइयों पर हिंसक हमले का जिक्र किया गया है। इसमें हत्याएं, हमले और पूजा स्थलों पर तोड़फोड़ शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी अपने भारतीय समकक्षों के समक्ष धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दों पर चिंता जताते रहेंगे। रिपोर्ट में कई घटनाओं का जिक्र किया गया है। इसमें से एक घटना मुंबई के पास एक ट्रेन में सुरक्षा अधिकारी और तीन मुस्लिमों की गोली मारकर हत्या करना भी शामिल है। हत्या पुलिस के एक जवान ने की थी। अमेरिका में मौजूद भारतीय दूतावास ने इस रिपोर्ट पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। भारत सरकार अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव से इनकार करती है और कहती है कि उसकी योजनाओं का उद्देश्य सभी नागरिकों को लाभ पहुंचाना है। रिपोर्ट में मणिपुर में पिछले साल दो समूहों के बीच शुरू हुई हिंसा का भी उल्लेख किया गया है।

मानवाधिकार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में पीएम मोदी और बीजेपी के शासन में आने के बाद अल्पसंख्यकों पर हमले में वृद्धि देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि घनिष्ठ आर्थिक संबंधों और चीन का मुकाबला करने के लिए भारत के महत्व को देखते हुए अमेरिका आमतौर पर भारत की आलोचना संयमित रूप से करता है। बता दें कि अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 के बहाने भारत के खिलाफ जहर उगला है। इस रिपोर्ट में अमेरिका ने लगभग हर देश को शामिल किया है। विदेश विभाग की ओर से यह रिपोर्ट जारी की जाती है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत का जिक्र करते हुए कहा कि, भारत में हम धर्मांतरण विरोधी कानूनों, हेट स्पीच, अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों के घरों और पूजा स्थलों के विध्वंस में चिंताजनक वृद्धि देख रहे हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में यूनिफॉर्म सिविल कोड के लागू करने की संभावना का भी जिक्र किया गया है। ब्लिंकन ने कहा, हमारी रिपोर्ट उन मामलों को डॉक्यूमेंट करती है जहां सामाजिक स्तर पर हिंसा हो रही है। यह धार्मिक समुदायों का दमन कर रहा है। उदाहरण के लिए भारत में ईसाई समुदाय ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने भीड़ की सहायता की, जिन्होंने धर्मांतरण गतिविधियों के आरोप में उनकी प्रार्थना को बाधित किया। भीड़ ने जब हमला किया तो पुलिस खड़ी रही और बाद में धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि भारत ही नहीं चीन समेत यूरोपीय देशों को लेकर भी इस रिपोर्ट में आलोचना की गई है।

शाला प्रवेशोत्सव 2024 : उत्सव उल्लासमय शिक्षा का

शाला प्रवेशोत्सव द्वितीय दिवस : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने छोटा उदेपुर में बच्चों का नामांकन कराया

गांधीनगर 27जून, 2024 :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि समाज के सभी वर्गों की बेटे-बेटियों के लिए शिक्षा सरल एवं सुलभ बनाने और सुदूरवर्ती परिवारों व गाँवों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा देकर साक्षरता दर में अधिकाधिक वृद्धि करने में शाला प्रवेशोत्सव काफी प्रभावकारी सिद्ध हुआ है।

श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ बेटियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किए गए शाला प्रवेशोत्सव की 21वीं कड़ी के दूसरे दिन गुरुवार को छोटा उदेपुर में जिले में शालाओं में बच्चों का नामांकन कराते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने छोटा उदेपुर की पी. एम. श्री तालुका शाला नंबर1कादौराकिया।उन्होंने बाल० ाटिका व कक्षा 1 में प्रवेश योग्य बच्चों था 9वीं एवं 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट्स देकर उमंगोल्लास के साथ उनका शाला प्रवेश कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा सुविधाएँ प्रदान की हैं। बेटियों के लिए नमो लक्ष्मी योजना तथा साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए नमो सरस्वती योजना लागू की गई है। इतना ही नहीं; उच्च शिक्षा के लिए भी अनेक योजनाएँ राज्य सरकार ने शुरू की हैं। राज्य सरकार के साथ शिक्षकों की सहभागिता एवं अभिभावकों की जागरूकता से गुजरात शिक्षा क्षेत्र में अग्रसर बना है। उन्होंने कहा कि आज राज्य सरकार शिक्षकों द्वारा बच्चे को स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर लैब, स्किल बेस्ड एजुकेशन प्रदान करती है। शिक्षा में आमूल परिवर्तन हुआ है तथा स्कूल में बच्चों की नियमितता को लेकर भी शिक्षक सजग बने हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' से विकसित गुजरात का निर्माण करने का आह्वान करते हुए जोड़ा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए आवश्यक विकसित गुजरात की बुनियाद में शिक्षा है।

उन्होंने उपस्थित शिक्षकों से कहा कि वे सरकारी विद्यालयों के शिक्षा स्तर को श्रेष्ठ बनाने, प्रत्येक परिवार के बच्चे को शिक्षा प्राप्त कर सुसंस्कारी बनाने का लक्ष्य रखते हुए शिक्षक के रूप में अपने सेवा दायित्व का निर्वहन करें। श्री पटेल ने क्लास रूम्स में जाकर पठन, लेखन, गणन कौशल, विद्यार्थियों की प्रवीणता की गहराई से पड़ताल की। उन्होंने स्मार्ट क्लास रूम सहित शाला की भौतिक सुविधाओं तथा स्कूल एन्वायर्नमेंट का निरीक्षण किया और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ इस स्कूल की शिक्षा की गुणवत्ता के संदर्भ में विचार-विमर्श किया। आरंभ में जिला कलेक्टर श्री अनिल धामेलिया ने स्वागत संबोधन में शाला प्रवेशोत्सव की पृष्ठभूमि दी तथा अंत में जिला विकास अधिकारी ने आभार व्यक्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मलकाबेन पटेल ने प्रासंगिक संबोधन किया।

इस अवसर पर वर्ष 2005-06 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों शाला प्रवेश प्राप्त कर उज्ज्वल कॅरियर बनाने वाले विद्यार्थियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री ने सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कक्षा 3 से 8 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शाला के लर्निंग कॉर्नर की विजिट की तथा विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण भी किया। इस कार्यक्रम में विधायक श्री राजेन्द्रसिंह राठवा, पूर्व सांसद श्री नारणभाई राठवा, तहसील पंचायत अध्यक्ष श्री कल्पनाबेन राठवा, अग्रणी श्री उपेन्द्रभाई राठवा, जिला शिक्षाधिकारी श्री आनंदकुमार परमार, जिला प्राथमिक शिक्षाधिकारी श्री जे. के. परमार, अधिकारी, पदाधिकारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गोधरा कांड को लेकर आज भी लोग दुखी हैं : हितू कनोडिया

डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म के लिए किया था संपर्क, फिल्म में ट्रेन जलाने का दृश्य झकझोर कर रख देगा- कनोडिया

अहमदाबाद, २७ जून । साल २००२ में हुआ गोधरा कांड आज भी लोगों के जहन में है। अब इस सत्य घटना पर आधारित फिल्म एक्सीडेंट और कॉन्सपिरेसी गोधरा १२ जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म से गुजराती फिल्म इंडस्ट्री के आइकॉन स्टार हितू कनोडिया बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं।

गोधराकांड की घटना जो आज भी लोगों को झकझोर कर रख देती है। इस घटना में गोधरा स्टेशन पर अयोध्या से लौट रही साबरमती एक्सप्रेस के स६ कोच में आग लगा दी गई और ५९ लोग जिंदा जल गए। जिसके बाद गुजरात में हर जगह दंगे भड़क उठे थे।

अब इस सत्य घटना पर आधारित फिल्म 'एक्सीडेंट और कॉन्सपिरेसी: गोधरा' १२ जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म से गुजराती फिल्म इंडस्ट्री के आइकॉन स्टार हितू कनोडिया बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। जिसे हम यहां शब्दों मे प्रस्तुत कर रहे हैं। आइकॉन स्टार हितु कनोडिया ने गुजराती जागरण को बताया कि डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ने सीधे संपर्क किया था। फिर उन्होंने कहा कि हम नानावटी-मेहता कमीशन पर फिल्म बना रहे हैं। यह कारसेवकों जिन्हें ट्रेन में जलाया गया था और उनके परिवारों के बारे में होगी। इस फिल्म के लिए हमने काफी रिसर्च की है। इसके बाद मैंने फिल्म करने के लिए हां कह दी।

हितू कनोडिया ने आगे कहा, फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बताऊ तो कारसेवक जो साबरमती जाने वाली ट्रेन के एस६ कोच में थे। मैं पीड़ित परिवार में से एक हूं। यह सबसे दुखद घटनाओं में से एक है। लोगों को इसके लिए आज भी दुख है। इस फिल्म के लिए कुछ ज्यादा तैयारी करने की जरूरत नहीं थी। मैं पहले से ही तैयार था क्योंकि हर किसी को पहले से ही वह दर्द था और यह हर किसी के दिल में है। इस फिल्म में हमने जो ट्रेन सीक्वेंस किए हैं वो आपको झकझोर देंगे। हमने इस सीन को रामोजीराव फिल्म सिटी, हैदराबाद में शूट किया है।

हितू कनोडिया ने आखिर में कहा कि देखा जाए तो इस फिल्म के निर्माण के दौरान हर कलाकार ने बहुत ही खूबसूरत परफॉर्मेंस दी है। मुझे उम्मीद है कि ये फिल्म हिंदी के लिए भी काफी अच्छी साबित होगी। इसके बाद मेरी दूसरी बॉलीवुड फिल्म केसरी वीर आ रही है।

फैशन डिजाइनर को धमकाने वाले

अज्ञात लोगों के खिलाफ गुजरात में एफआईआर दर्ज

ईमेल, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम से मिली जान से मारने की धमकी, स्वर्ण मंदिर के परिक्रमा पथ पर मकवाना ने किया था योग

वडोदरा, २७ जून । विश्व प्रसिद्ध अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में योग करना वडोदरा की फैशन डिजाइनर अर्चना मकवाना को भारी पड़ रहा है। उन्हें जान से मारने की धमकी दी धमकियां मिल रही हैं जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दरअसल २१ जून को अर्चना ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मंदिर में शीर्षासन किया था जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

वडोदरा की फैशन डिजाइनर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चना मकवाना को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में योग करने के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। अर्चना को मिल रही धमकियों को देखते हुए वडोदरा पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

डिजाइनर पर २१ जून को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में योग करने के बाद आपराधिक मामला चल रहा है। उधर, एक ताजा वीडियो जारी करके अर्चना मकवाना ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए उनके खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेनी चाहिए।

वडोदरा पुलिस के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अर्चना को धमकी के संबंध में उनकी शिकायत के आधार पर बुधवार रात करेलीबाग पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा ५०७ (अनाम संदेश द्वारा आपराधिक धमकी) के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्तपन्ना मोमाया ने कहा, ''अर्चना ने दावा किया कि स्वर्ण मंदिर में शीर्षासन करते हुए उसकी तस्वीरें वायरल होने के बाद अज्ञात लोगों ने उसे ईमेल, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर में किसी संदिग्ध का नाम नहीं लिया गया है।''

मकवाना ने २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वर्ण मंदिर का दौरा किया और उसके परिक्रमा पथ पर योग किया। योग करने की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई थीं। हालांकि, अर्चना मकवाना ने अपने कृत्य के लिए माफी मांगी है और कहा है कि उनका कभी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। बता दें कि २४ जून को वडोदरा पुलिस ने मकवाना को जान से मारने की मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा मुहैया करवा रही है।

दो लोगों ने नकली रख ४.५५ करोड़ का असली हीरा उड़ाया

सूरत, २७ जून । पुलिस निरीक्षक एचएम चौहाण ने बताया कि बदला गया हीरा १०.०८ कैरेट का था। यह दुर्लभ हीरों की श्रेणी में तो नहीं आता है, लेकिन इतनी बड़ी साइज के हीरों का भारत में बाजार नहीं है। ऐसे बड़े हीरे आम तौर पर विदेश में एक्सपोर्ट होते हैं।

हीरा कारोबारी को सौदा करने के बहाने अपने कार्यालय पर बुलाकर दो लोगों ने उसका ४.५५ करोड़ रुपए का असली हीरा बदल कर हूबहू वैसा ही नकली हीरा रख दिया और सेफ से रुपए लाने का झांसा देकर असली हीरा लेकर फरार हो गए। वेसू वेस्टर्न रेजिडेंसी निवासी हीरा कारोबारी चिराग शाह ने महिधरपुरा हीराबाजार की देवरंजनी बिल्डिंग में हीरा कारोबार करने वाले हितेश पुरोहित व उसके साथी ईश्वर के खिलाफ महिधरपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई हैं। चोरी गया हीरा खोडल जेम्स के संचालक योगेश काकलोतर का था।

योगेश ने उन्होंने बिक्री के लिए एक वेबसाइट पर हीरे की जानकारी पोस्ट की थी, जिसे देखकर हितेश व उसके साथी ने दलालों के जरिए चिराग से संपर्क किया। चिराग का पुत्र अक्षत २५ जून को योगेश से हीरा लेकर हितेश व ईश्वर से मिला। हितेश व ईश्वर ने कुछ समय तक हीरा अपने हाथ में रख कर सौदे की बात की और हीरा टेबल पर ही रख दिया। उसके बाद हितेश रुपए लेकर आने की बात कहकर वहां से चला गया। जब काफी समय तक वह लौट कर नहीं आया तो अक्षत को संदेह हुआ। अक्षत ने टेबल पर रखे हीरे की जांच तो पता चला कि वह असली हीरा नहीं था। उसी की साइज का लैबग्रोन (सीवीडी) हीरा था।

मामले की जांच कर रहे पुलिस निरीक्षक एचएम चौहाण ने बताया कि बदला गया हीरा १०.०८ कैरेट का था। यह दुर्लभ हीरों की श्रेणी में तो नहीं आता है, लेकिन इतनी बड़ी साइज के हीरों का भारत में बाजार नहीं है। ऐसे बड़े हीरे आम तौर पर विदेश में एक्सपोर्ट होते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेरित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सहभागी हुए

गांधीनगर 27जून, 2024:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार को अपने परिजनों के साथ गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास परिसर में पौधारोपण कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेरित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में सहभागी हुए। प्रधानमंत्री ने हाल ही में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रारंभ करवा कर भारत तथा विश्वभर के लोगों का आह्वान किया था कि वे अपनी माता को साथ लेकर या उनकी याद में एक पेड़ लगाएँ।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरण तथा प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ वातावरण शुद्धि के लिए प्राण वायु यानी ऑक्सीजन तथा अधिक वर्षा लाने में पेड़ों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे रोजमर्रा के जीवन में भी पर्यावरण प्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए 'मिशन लाईफ' की प्रेरणा दी है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी प्रधानमंत्री के पर्यावरण प्रिय विचारों को आत्मसात कर सस्टेनेबल डेवलपमेंट तथा ग्रीन कवर में वृद्धि के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में सपरिवार शामिल हुए। श्री पटेल ने अपने निवास स्थान पर पौधारोपण कर राज्य के सभी नागरिकों को भी इस अभियान में सहभागी होने की प्रेरणा दी है।

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास परिसर में सपरिवार पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा निरंतर विकास के प्रधानमंत्री के विचार को अधिक वेगवान बनाया मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक अभियान में गुजरात अग्रसर रहा है। ऐसे में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को भी सभी गुजराती व्यापक समर्थन देकर सफल बनाएंगे।

उमरपाड़ा में किशोरी का शव मिलने के मामले में बड़ा खुलासा, दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी

सूरत (ईएमएस) कुछ दिन पहले सूरत जिले की उमरपाडा तहसील के जंगल से एक किशोरी का शव बरामद होने के मामले गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है आरोपी ने किशोरी के साथ पहले दुष्कर्म किया और उसके बाद हत्या कर उसका शव जंगल में फैंक दिया था जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की ओलपाड तहसील के एक गांव की 12 वर्षीय किशोरी गत 20 जून को जंगल में पशु चराने गई थी पशु चराने गई किशोरी के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन उसका कहीं अता पता नहीं मिला तीन दिन बाद जंगल से किशोरी डिकम्पोज हालत में शव बरामद होने पर पुलिस ने उसे पैनल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पीएम रिपोर्ट में किशोरी के साथ दुष्कर्म का खुलासा हुआ हांलाकि घटना जंगल में होने की वजह से पुलिस के पास ह्यूमन इंटेलिजंस रिसोर्स के अलावा जांच के लिए कोई विकल्प नहीं था दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने मृतक किशोरी के नाते-रिश्तेदारों के बयान ले रही थी उस वक्त गांव का एक शख्स दुकान पर पहुंचा शख्स पर संदेह होने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की शख्स सागबारा तहसील के गोदडा गांव निवासी फतेसिंह रमेश वसावा था, जो मृतक किशोरी के गांव में काम करता था जिसके बाद पुलिस ने फतेसिंह का शर्ट उतराया फतेसिंह की पीठ पर खरोंच के निशान देख पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए उससे कड़ी पूछताछ शुरू कर दी पुलिस की सख्ती के आगे फतेसिंह ने कबूल कर लिया आरोपी ने बताया कि एक सप्ताह से उसकी नजर किशोरी पर थी और मौका मिलते ही जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी पहले किशोरी का शव जंगल से गुजरती नदी में फैंक दिया लेकिन नदी में पानी कम होने की वजह से उसने किशोरी का शव जंगल में फैंक दिया पुलिस ने आरोपी फतेसिंह को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

नागरिकों की शिकायतों के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम 29 जून को आयोजित होगा

गांधीनगर 27जून, 2024:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष राज्य के नागरिकों, जनता की समस्याओं तथा प्रस्तुतियों के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम 29 जून शनिवार दोपहर को आयोजित होगा।

नागरिक-आवेदक इस स्वागतकार्यक्रम के लिए अपनी शिकायतें व प्रस्तुतियाँ 29 जून शनिवार को सुबह 8 से 11 बजे के दौरान गांधीनगर में स्वर्णिम संकुल 2 स्थित मुख्यमंत्री की जनसपर्क इकाई में प्रत्यक्ष रूप से आकर दे सकेंगे।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

'SLR के लिज़ींग' अनुबंध के अनुबंध हेतु ई-निलामी

पत्र सं. Comm/BRC/E-Auction/24

संदर्भ : RB's Letter No. 2022/TC(FM)/10/04 dtd 13-06-2022

उपरोक्त संदर्भ में, 'SLR के लिज़ींग' अनुबंध के अनुबंध हेतु ई-निलामी दिनांक 08/07/2024 को आयोजित की गई है। ई-निलामी दिनांक 08/07/2024 को 10:00 बजे शुरु की जाएगी। कैटलॉग पहले ही www.ireps.gov.in वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार दर्शाए गये हैं।

कैटलोग सं.	अनुबंध का प्रकार	लोट सं.	अनुबंध की अवधि
E-SLR-BRC-080724	SLR का लिज़ींग	22959 SLR-F1 BRC JAM 22-1	02 वर्ष
		20950-SLR-F1-EKNR-ADI-22-1	
		20905-SLR-F1-EKNR-REWA-24-1	
		20950-SLR-R1-EKNR-ADI-22-1	
		20903-SLR-R1-EKNR-BDTS-24-1	
		20945-SLR-F1-EKNR-NZM-24-1	
		12930-SLR-F1-BRC-BL-22-1	
		22930-SLR-R1-BRC-DRD-22-1	
		22930-SLR-F2-BRC-DRD-22-1	
		22930-SLR-R1-BRC-DRD-22-1	
		20905-SLR-R1-EKNR-REWA-24-1	
		12930-SLR-R1-BRC-BL-22-1	
		19819-SLR-F1-BRC-KOTA-22-1	
		12928-SLR-F1-EKNR-DDR-24-1	
		19819-SLR-F2-BRC-KOTA-22-1	
		22959-SLR-R1-BRC-JAM-22-1	
		12928-SLR-R1-EKNR-DDR-24-1	
		19819-SLR-R1-BRC-KOTA-22-1	
		20945-SLR-R1-EKNR-NZM-24-2	
		20920-SLR-F1-EKNR-MAS-22-1	
		20903-SLR-F1-EKNR-BDTS-24-1	

ई-निलामी की तारीख और समय: सभी लोट के लिए ई-निलामी दिनांक: 08/07/2024 को 10.00 बजे शुरू होगी। लोट अनुसार बंद होने का समय IREPS की ई-निलामी मॉड्यूल में देखें। BRC-093

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मण्डल

विविध इंजिनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 059 to 061 वर्ष 2024-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. नं.	निविदा संख्या एवं कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रु.)
01	DRM BRC 059 वर्ष 2024-25 — वडोदरा यार्ड- डी केबिन कॉलोनी में एमटीएस का प्रावधान।	75,80,620.79	1,51,600.00
02	DRM BRC 060 वर्ष 2024-25 — वडोदरा (पी): एसएसई (वर्क्स) बीआरसीपी के अधिकार क्षेत्र के तहत 24 महीनों के लिए पीवीसी टैंक, टेरेस/लॉफ्ट वोटर स्टॉरेज टैंक, अंडर ग्राउंड सम्प और आरसीसी ओवरहेड टैंक की सफाई और कीटाणुशोधन। (04 माह प्रति टैंक अर्थात प्रति वर्ष 03 बार प्रति टैंक)	5,31,152.89	10,600.00
03	DRM BRC 061 वर्ष 2024-25 — सहायक मंडल अभियंता, आणंद के अधिकार क्षेत्र में मौजूदा हैंडपंपों पर हैंडपंप और एएमसी का प्रावधान।	15,21,795.65	30,400.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय: निविदा 15.07.2024 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। वेबसाइट विवरण और सूचना का स्थान जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता जहां से निविदा फॉर्म खरीदा जा सकता है: मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे। प्रतापनगर। वडोदरा-4 वेबसाइट: www.ireps.gov.in 88

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

गुजरात के निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड में लगातार निवेश कर रहे हैं: टाटा एसेट मैनेजमेंट

राजकोट/वडोदरा, 26 जून, 2024 - एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, मई, 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड रुपये तक पहुंच जाएंगे। 34,697 करोड़ का शुद्ध प्रवाह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है और अप्रैल 2024 की तुलना में इसमें 83 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। उसी महीने के एएमएफआई डेटा से संकेत मिलता है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड सेगमेंट में, देश भर के निवेशकों से थीमैटिक या सेक्टोरल फंड श्रेणी में रु। 19,213.4 करोड़ का उच्चतम प्रवाह देखा गया है। मई 2024 के एएमएफआई डेटा से एक और दिलचस्प जानकारी यह है कि लगातार दूसरे महीने, एसआईपी से मासिक निवेश का आंकड़ा रु। 20,000 करोड़ का आंकड़ा पार हो चुका है.

भारत में म्यूचुअल फंड की संपत्ति का आकार लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि निवेशकों ने विभिन्न इक्विटी योजनाओं में अपना विश्वास दोहराया है। टाटा म्यूचुअल फंड ने गुजरात में भी इसी तरह का रुझान देखा है, जहां निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं को प्राथमिकता दी है। गुजरात में निवेशक जनवरी-अप्रैल2024 तक टाटा म्यूचुअल फंड की विभिन्न इक्विटी योजनाओं में रु. 819 करोड़ का निवेश हुआ है.

इसी अवधि यानी जनवरी-अप्रैल 2024 के दौरान, पूरे गुजरात में निवेशकों ने रुपये का निवेश किया। 195 करोड़ का निवेश हुआ.

टाटा एसेट मैनेजमेंट के वरिष्ठ फंड मैनेजर (इक्विटी) चंद्रप्रकाश पडियार ने कहा, ''व्यापक व्यापक आर्थिक संकेतक, व्यापक-आधारित कॉर्पोरेट आय वृद्धि और मजबूत बैंकिंग/कॉर्पोरेट क्षेत्र का स्वास्थ्य बाजार के दीर्घकालिक सकारात्मक दृष्टिकोण में योगदान देने वाले प्रमुख कारक हैं। हमारा मानना है कि भारत और दुनिया के लिए विनिर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अगला ट्रिगर हो सकता है। बैंकिंग क्षेत्र को छोड़कर बाजार क्षेत्रों में अल्पकालिक मूल्यांकन अधिक है और तत्काल 12 महीने के रिटर्न प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। लंबी अवधि के लिए निवेश के लिए एसआईपी मार्ग का उपयोग जारी रखने की सलाह दी जाती है।

शौच को गए अधेड़ पर भालू ने किया हमला, मुंह का एक हिस्सा फाड़ खाया

छोटाउदेपुर (ईएमएस) जिले झोझ गांव में भालू ने एक अधेड़ पर हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया यह घटना उस समय हुई जब अधेड़ व्यक्ति शौच के लिए जंगल में गया था उस वक्त भालू ने उस पर हमला कर दिया और मुंह का एक हिस्सा फाड़ खाया भालू के हमले में घायल व्यक्ति को वडोदरा के एसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जानकारी के मुताबिक छोटाउदेपुर जिले के झोझ गांव निवासी 45 वर्षीय रसिकभाई नायका सुबह 6 बजे के आसपास शौच के लिए जंगल में गए थे उस दौरान एक भालू ने रसिकभाई पर हमला कर दिया अचानक भालू के हमले से घबड़ाए रसिकभाई चीखने-चिल्लाने लगे रसिकभाई की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए लोगों की भीड़ अपनी ओर आते देख भालू जंगल में भाग गया हांलाकि तब तक भालू रसिकभाई को बुरी तरह से घायल कर चुका था भालू ने रसिकभाई की एक आंख समेत मुंह का एक हिस्सा फाड़ खाया था गंभीर हालत में रसिकभाई को वडोदरा के एसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड और सीएसआईआर-आईआईपी ने सीएसआईआर-आईआईपी की वैक्यूम स्विंग एडशोर्प्सन तकनीक के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक समझौता किया है।

अत्याधुनिक बायोगैस उन्नयन प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के लिए अभिनव सहयोग

संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी) और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएसएल) ने कच्चे बायोगैस को संपीड़ित बायोगैस में अपग्रेड करने के लिए वैक्यूम स्विंग एडशोर्प्सन (वीएसए) तकनीक शुरू की है। (सीबीजी) ने कटिंग-एज वैक्यूम को लाइसेंस देने और संचालित करने के लिए एक समझौता किया है। समझौते पर 24 जून, 2024 को इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (एस एंड टी) और सीएसआईआर अध्यक्ष डॉ. द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। जितेंद्र सिंह जी और महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर, डॉ. एन कलाईसेल्वी जी की उपस्थिति में सीएसआईआर के वन वीक वन थीम कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान हस्ताक्षर किए गएत

इस समझौते के तहत, सीएसआईआर-आईआईपी, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग और जैव ईंधन में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, अपनी स्वदेशी रूप से विकसित वीएसए तकनीक को जैविक रीसाइक्लिंग सिस्टम में स्थानांतरित करेगा। प्रौद्योगिकी को 350 स्क/ए कच्चे बायोगैस को संसाधित करने, इसे पाइपलाइन-गुणवत्ता वाले बायो-मीथेन में परिवर्तित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परिणामस्वरूप बायोमेथेन न केवल नियामक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने वाले कड़े बीआईएस 16087:2016 विनिर्देशों को पूरा करता है, बल्कि विभिन्न परियोजनाओं और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के आधार पर उच्च विनिर्देशों को प्राप्त करने के लिए इसे और भी तैयार किया जा सकता है।

यह लचीलापन सुनिश्चित करता है कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा कर सकती है, बायोगैस उन्नयन के लिए एक विश्वसनीय और अनुकूलित समाधान प्रदान कर सकती है। इस तकनीक द्वारा उत्पादित सीबीजी का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ईंधन के रूप में और वाहन अनुप्रयोगों में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।

सिटी ने जीगर शाह को भारत के लिए चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया

□ जीगर भारत में फाइनेंशियल लीडरशिप प्रदान करेंगे और साथ ही सिटी की विकास संबंधी रणनीति को आगे बढ़ाएंगे

मुंबई- सिटी ने आज जीगर शाह को अपने भारत फ्रैंचाइज़ के लिए चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति 1 जून, 2024 से प्रभावी हो गई है। इस भूमिका में, जीगर भारत में वित्तीय मामलों के लिए सिंगल कॉन्टेक्ट पॉइंट के रूप में काम करेंगे, और सिटी कंट्री ऑफिसर फॉर इंडिया और हैड ऑफ बैंकिंग फॉर इंडियन सब कॉन्टिनेंट आशु खुल्लर को रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन सहायता प्रदान करेंगे।

जीगर शाह सिटी के व्यवसायों में महत्वपूर्ण फाइनेंशिल पहलों को आगे बढ़ाने वाली वित्तीय भूमिकाओं में 19 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं। इनमें फाइनेंशियल और रेगुलेटरी रिपोर्टिंग, ऑडिट और रेगुलेटरी परीक्षाओं संबंधी कामकाज का अनुभव भी शामिल है। वे फरवरी 2024 से भारत के लिए अंतरिम सीएफओ के रूप में काम कर रहे थे।

सिटी कंट्री ऑफिसर फॉर इंडिया और हैड ऑफ बैंकिंग फॉर इंडियन सब कॉन्टिनेंट आशु खुल्लर ने कहा, ''भारत में हमारे संचालन के बारे में जीगर का गहन ज्ञान और वित्तीय प्रबंधन में प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड उन्हें इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए असाधारण रूप से योग्य बनाता है। उनकी नियुक्ति से हमें मजबूत वित्तीय नेतृत्व मिलेगा। इस तरह हम अपनी रणनीति को क्रियान्वित करना जारी रखेंगे और भारत में अपने ग्राहकों को प्रीमियम सेवाएँ प्रदान करेंगे।''

सिटी के एशिया साउथ क्लस्टर के सीएफओ मुई-इंग टीओ ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारत के बाजार में सिटी की विकास संबंधी योजनाओं को जीगर शाह की विशेषज्ञता और उनके अनुभव से बहुत फायदा होगा। इन अर्थों में उनका अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा। हमें यह भी यकीन है कि उनके नेतृत्व में हम अपने व्यवसायों में वित्तीय अनुशासन और नियंत्रण पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।''

सिटी इंडिया चीफ एचआर ऑफिसर और हैड-एचआर इंडियन सब कॉन्टिनेंट आदित्य मित्तल ने कहा, ''जीगर शाह ने सिटी में फाइनेंस के क्षेत्र में अनेक लीडरशिप भूमिकाएँ निभाई हैं और उनके पास इस नई भूमिका को संभालने के लिए अनुभव और विशेषज्ञता है। उनकी नियुक्ति इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे सिटी अपनी आंतरिक प्रतिभा को निखारती है और पेशेवर विकास के लिए शानदार अवसर प्रदान करती है।''

प्लेटिनम लव बैंड्स: हर अनोखी प्रेम कहानी के लिए उत्तम

जून 2024: हर प्रेम कहानी अद्वितीय होती है। इसकी अपनी अलग भावनाएं और यादें होती हैं। चाहे आपकी प्रेम कहानी विश्वास पर टिकी हो, जो अटूट समर्थन से परिभाषित हो, या फिर एक दूसरे की खामियों को स्वीकार करती हो, या एडवेंचर के साथ पनपती हो, आपके प्यार के हर संबंध को प्रतिबिंबित करने के लिए एक विशेष प्लेटिनम लव बैंड डिज़ाईन किया गया है।

प्लेटिनम में बने इंगेज़मेंट रिंग्स के लेटेस्ट ट्रेंड्स के बारे में पल्लवी शर्मा, बिज़नेस डायरेक्टर, प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल (पीजीआई) - इंडिया ने कहा, ''ग्लोबल ट्रेंड्स के प्रभाव में प्लेटिनम लव बैंड्स इंगेज़मेंट रिंग्स के लिए बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। इसके मुख्य ट्रेंड्स में 'आधुनिक विंटेज' में पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाईंस का मिश्रण है; 'थ्री स्टोन' या 'ट्रिनिटी' रिंग्स स्थायी प्रेम का प्रतीक हैं, और सेलिब्रिटीज़ के पसंदीदा 'तोई ए मोई' स्टाईल में अंतरंग संबंधों को प्रदर्शित करते हुए दो रत्न हैं। युगल हीरों के अलावा अन्य रत्न भी पसंद कर रहे हैं। वो विभिन्न कट्स, कलर्स, और आकर्षक डिज़ाईन तलाश रहे हैं। इनमें रंगीन रत्न जैसे सफायर, टूमलीन, और एमराल्ड्स; फैंसी कट, जैसे ओवल और एशर, अद्वितीय एलिमेंट जैसे इनैमल और कलर्ड रोडियम एक्सेंट और व्यक्तिगत टच, जैसे विंटेज डिटेल्स और एंग्रेविंग्स शामिल हैं।''

पश्चिम रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	दौड़ का दिन	सेवा की तिथियाँ
03110	वडोदरा - सियालदह	गुरुवार	01.08.2024
03109	सियालदह - वडोदरा	मंगलवार	30.07.2024

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन नंबर 03110 की बुकिंग 28/06/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे

www.wr.indianrailways.gov.in

हमें यहां लाइक करें : facebook.com/WesternRly

हमें यहां फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96